शुक्ल पक्ष, 23 वर्ष, अंक 122 पृष्ठ 08 मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | मंगलवार 28 मई 2024 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

पंजाब के मंत्री बलकार सिंह की आपत्तिजनक वीडियो वायरल!

नई दिल्ली

पंजाब में आम आदमी पार्टी सरकार के एक मंत्री बलकार सिंह का एक वीडियो वायरल होने से राज्य की सियासत में नया तूफान खड़ा हो गया है। कथित तौर पर एक वीडियो में भगवंत मान सरकार में संसदीय कार्य मंत्री बलकार सिंह आपत्तिजनक हरकत करते दिखाई दे रहे हैं। कहा जा रहा है कि एक 21 वर्षीय लड़की उनके पास नौकरी मांगने के लिए गई थी। इसके बाद मंत्री ने उस लड़की से बाद में वीडियो कॉल करने के लिए कहा। आरोप है कि इस कॉल के दौरान मंत्री बलकार सिंह ने उस लड़की को वस्त्र उतारने के लिए कहा और स्वयं भी अपने कपड़े उतारकर आपत्तिजनक हरकत करने लगे। भाजपा ने भगवंत मान सरकार से आरोपी मंत्री को तत्काल बर्खास्त करने और लड़की को न्याय दिलाने की मांग की है। राष्ट्रीय महिला आयोग ने इस मामले का संज्ञान लेते हुए, इसकी जांच कराने के लिए कहा है। भाजपा नेता तजिंदर पाल सिंह बग्गा ने अपने ट्विटर (एक्स) हैंडल पर एक वीडियो जारी करते हुए कहा है कि यह बेहद शर्मनाक बात है कि पंजाब की एक लड़की मंत्री के पास नौकरी मांगने के लिए जाती है, लेकिन उसे नौकरी देने की बजाय भगवंत मान सरकार के मंत्री के द्वारा उसे वीडियो कॉल करने के लिए कहा जाता है। आरोप है कि इस वीडियो कॉल के दौरान मंत्री ने लड़की से अपने कपड़े उतारने के लिए कहा और वे स्वयं भी अपना वस्त्र उतारकर आपत्तिजनक हरकत करने लगे। अमर उजाला इस वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है, न ही इस बात की कोई जानकारी है कि ये कब का है।

ओडिशा विधानसभा चुनाव में 412 उम्मीदवार करोड़पति

भुवनेश्वर

ओडिशा विधानसभा चुनाव में 412 करोड़पति उम्मीदवार ताल ठोक रहे हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। एडीआर ने ओडिशा विधानसभा चुनाव में 1285 में से 1283 उम्मीदवारों द्वारा दिए गए हलफनामे के आधार पर यह रिपोर्ट जारी की है। एडीआर रिपोर्ट के अनुसार इस बार 1283 में से 412 उम्मीदवार करोड़पति हैं।

आइएनडीआइए अलायंस का सूपड़ा साफ हो गया: शाह

कांग्रेस पार्टी इस बार 40 सीटें भी पार नहीं कर पाएगी और अखिलेश यादव को चार सीट भी नसीब नहीं होगी

बलिया

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बलिया की सभा में कहा कि पांच चरण में मोदी 310 का आंकड़ा पार कर गए थे। छठवें चरण में 400 का आंकड़ा पार कर गए हैं। गृहमंत्री ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण की राजनीति पर जमकर निशाना साधा। कहा कि आइएनडीआइए अलायंस का सूपड़ा साफ हो गया है। कांग्रेस पार्टी इस बार 40 सीटें भी पार नहीं कर पाएगी और अखिलेश यादव को चार सीट भी नसीब नहीं होगी। वह सलेमपुर लोकसभा क्षेत्र के बेल्थरारोड हल्दीरामपुर में भाजपा प्रत्याशी रवींद्र कुशवाहा के समर्थन जनसभा को संबोधित कर रहे थे। कहा कि ये चुनाव रामभक्तों पर गोली चलाने वालों और राम मंदिर बनाने वालों के बीच का चुनाव है। उत्तर प्रदेश में भ्रष्टाचार करने वाली सपा और यूपीए सरकार ने 12 लाख करोड़ रुपये के घपले-घोटालों को अंजाम दिया है। वहीं दूसरी ओर 25 साल से संवैधानिक पद पर रहने के बावजूद भी जिनपर 25 पैसे के भ्रष्टाचार का आरोप नहीं है, ऐसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं।

भाजपा पाकिस्तान के बम से नहीं डरती: अमित शाह

कांग्रेस वोटबैंक की तुष्टीकरण की राजनीति के चलते इस कगार पर पहुंच गई है कि कांग्रेस के नेता पाकिस्तान के पास परमाणु बम है, ऐसा बोल कर पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर को ताक पर रखने की बात करते हैं, लेकिन भाजपा पाकिस्तान के परमाणु बम से डरने वाली नहीं है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर भारत का हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा। विपक्ष को समझना होगा कि परमाणु बम से मसले हल नहीं होते हैं, बल्कि एक नेता के वज्र इरादों से मसले हल होते हैं। हमारा संविधान धर्म के आधार पर आरक्षण का समर्थन नहीं करता। नरेन्द्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद अनुसूचित जाति, जनजाति और ओबीसी के आरक्षण पर कोई डाका नहीं डाल पाएगा।

गठबंधन के पास कोई पीएम पद का भी नहीं दावेदार: शाह

शाह ने कहा कि सपा के शासन में छह हजार करोड़ पीएफ घोटाला, 1500 करोड़ गोमती रिवर फ्रन्ट घोटाला, लैपटाप घोटाला, नोएडा भूमि आवंटन घोटाला, पुलिस भर्ती घोटाला, जल निगम घोटाला हुए। कांग्रेस पार्टी ने दरिया से लेकर आसमान तक सिर्फ घोटाले ही किए है। विपक्ष यह घमंडिया गठबंधन बनाकर आगे बढ़ा है, लेकिन इनके जीतने की दूर-दूर तक कोई भी संभावना नहीं है, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ही तीसरी

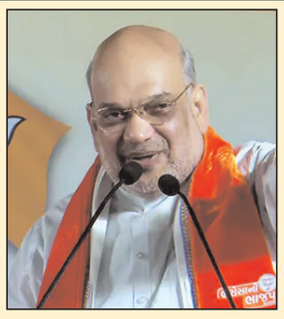

बार प्रधानमंत्री बनने वाले हैं। इस देश की जनता जानना चाहती है कि अगर विपक्षी गठबंधन को बहुमत मिलता है तो उनका प्रधानमंत्री कौन होगा? अगर आइएनडीआइए गठबंधन जीतता है तो इनके पास कोई प्रधानमंत्री पद का कोई उम्मीदवार नहीं है, और उनका कहना है कि सभी लोग बारी-बारी से प्रधानमंत्री बन जाएंगे। उन्हें यह समझना होगा कि ऐसे देश नहीं चल सकता है। देश के 60 करोड़ गरीबों के जीवन में दीपक जलाने का काम केवल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ही कर सकते हैं। विपक्षी पार्टियों के नेता केवल अपने परिवार के लिए राजनीति कर रहे हैं।

'नए आपराधिक कानून प्रणाली पूरी तरह से तकनीक पर निर्भर'

नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि एक जुलाई से लागू होने वाले नए आपराधिक कानूनों में प्रौद्योगिकी एक महत्वपूर्ण कारक होगी।

उन्होंने कहा कि समन एसएमएस द्वारा भेजे जाएंगे, 90 फीसदी गवाह वीडियो कॉल के जरिए पेश होंगे और अदालतें प्राथमिकी दर्ज होने के तीन साल के भीतर आदेश जारी करेंगी।

आढ़तियों-किसानों के मन में दूर हुई 'गलतफहमी'

भाजपा के लिए पंजाब में बढ़ा समर्थन

चंडीगढ़

लोकसभा चुनावों की शुरूआत में ही भाजपा और अकाली दल के एक बार फिर साथ आने की चर्चा तेज हो गई थी, लेकिन किसानों की नाराजगी के भय से अकाली दल ने इस गठबंधन से अपना मुंह मोड़ लिया था। लेकिन अकाली दल के इसी कदम ने भाजपा को पंजाब में अपने दम पर मजबूत होने का फॉमूर्ला दे दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सधे कदमों से पंजाब का दिल जीतने की कोशिश की। एक के बाद एक कदमों से उन्होंने पंजाबियत से अपना नाता जोड़ा। उधर, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने आढ़तियों और किसानों से लगातार बातचीत कर भाजपा और पीएम को लेकर फैलाई गई कई 'गलतफहमियां' भी दूर कीं। इन कोशिशों का असर यह हुआ है कि अब कई आढ़ती-किसान संगठन खुलकर भाजपा के साथ खड़े हो गए हैं। अब भाजपा पंजाब में तीन से चार सीटों (गुरदासपुर, अमृतसर, लुधियाना और पटियाला) पर मजबूत स्थिति है और वह इन पर जीत भी हासिल कर सकती है। वोट प्रतिशत के लिहाज से भी भाजपा अब तक का सबसे श्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकती है। यदि सब कुछ ठीक ठाक रहा तो इससे पार्टी के लिए पंजाब में नई संभावनाओं के द्वार खुल सकते हैं। दरअसल, 2019-20 के किसान आंदोलन ने केंद्र सरकार की राह में मुश्किलें खड़ी कर दी थीं। लेकिन समय बीतने के साथ-साथ पंजाब में भी अब किसानों को आम जनता का ज्यादा समर्थन नहीं मिल रहा है। लोगों को लगने लगा है कि रोज-रोज के आंदोलन, सड़कों-रेल पटरियों को जाम करने से किसी समस्या का समाधान नहीं निकल सकता। उलटे इससे आम लोगों की समस्याएं ही बढ़ी हैं। पंजाब के पढ़े-लिखे वर्गों के बीच भी अब किसानों को उनकी बेतरतीब मांगों को लेकर समर्थन घट रहा है। कुछ किसान अपने संगठनों की बातों से उलट जाकर भी भाजपा का समर्थन करते दिखाई दे रहे हैं।

भारतीय सेना को मिली हाइड्रोजन से चलने वाली पहली बस

सेना प्रमुख और आईओसीएल चेयरमैन ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली

भारतीय सेना को हाइड्रोजन ईंधन से चलने वाली पहली बस मिल गई है। नई दिल्ली में सोमवार को सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के चेयरमैन श्रीकांत माधव वैद्य की मौजूदगी में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। सेना प्रमुख को यह बस

आईओसीएल ने आज एक कार्यक्रम में सौंप दी। भारतीय सेना ने हरित और टिकाऊ परिवहन समाधान खोजने की दिशा में दृढ़ संकल्प प्रदर्शित करते हुए पहली हाइड्रोजन ईंधन बस को अपने बेड़े में शामिल किया है। इस बस में 37 यात्रियों की बैठने की क्षमता है। टैंक को एक बार में 30 किलोग्राम हाइड्रोजन ईंधन से भरा जा सकता है। पूरे टैंक पर 250-300 किमी का माइलेज है, जो शून्य उत्सर्जन सुनिश्चित करता है। भारतीय सेना नवाचार, नवीनतम तकनीक और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जारी रखते हुए पर्यावरण अनुकूल परिवहन समाधानों का मार्ग प्रशस्त कर रही है।

माफिया के खत्म हो जाने से यूपी में बढ़ा निवेश: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

गाजीपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि यूपी से माफिया का सफाया करने के बाद अब प्रदेश में भारी पैमाने पर निवेश आ रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल में बड़े स्तर पर निवेश हो रहा है, जिसके बाद यहां फैक्ट्रियां लगेंगी और नौजवानों को यहीं पर नौकरी भी मिलेगी। योगी ने सपा पर प्रहार करते हुए कहा कि इन लोगों ने गरीबों के बेटों को मारने का संकल्प लिया था, तो हमने भी माफिया को मिट्टी में मिलाने का संकल्प लिया और आज माफिया मिट्टी में मिल चुके हैं। योगी आदित्यनाथ सोमवार को

मोहम्मदाबाद में बलिया लोकसभा सीट के लिए पार्टी प्रत्याशी नीरज शेखर के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अयोध्या और काशी के बाद हम मथुरा जाने की तैयारी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने क्रांतिकारियों की पावन धरा को कोटि कोटि नमन करते हुए कहा कि मोहम्मदाबाद क्षेत्र के लिए स्वर्गीय कृष्णानंद राय जी के बहुत से सपने थे। यहां के विकास को लेकर वह अत्यंत चिंतित रहते हैं और लगातार प्रयास करते थे। जब भी कृष्णानंद राय जैसा कोई जनप्रतिनिधि विकास के लिए कोई प्रयास करता था सपा के लोग ऐसे नेताओं को माफियाओं की भेंट चढ़ा देते थे। इन लोगों ने स्वर्गीय कृष्णानंद राय की हत्या पर संवेदना व्यक्त करने की जगह हत्यारों को संरक्षण दिया और आज माफिया के मरने पर मातम मनाने आते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृष्णानंद राय के साथ ही श्याम शंकर राय, रमेश राय, रमेश पटेल, मुन्ना यादव सहित अन्य लोगों को बर्बरता के साथ मारा गया था।

1 जून को पंजाब के पोलिंग बूथों पर खालिस्तानी झंडा लहराने की साजिश

चंडीगढ़

एक जून को पंजाब में होने वाले लोकसभा चुनावों को लेकर कनाडा में साजिश रची जाने लगी है। इन साजिशों को आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस और खालिस्तानी आतंकियों ने रचा है। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों को मिली जानकारी के मुताबिक लोकसभा चुनावों में सिख फॉर जस्टिस के जनरल काउंसिल ने कनाडा से पंजाब की प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र की पोलिंग स्टेशंस पर खालिस्तान का झंडा लहराने की साजिश की है। इसके लिए बाकायदा आतंकी संगठनों ने अपने गुर्गों के माध्यम से प्रत्येक पोलिंग स्टेशन में खालिस्तान झंडा लहराने और प्रोपेगंडा फैलाने के नाम पर एक-एक लाख रुपये इनाम देने का लालच दिया है। वहीं, दूसरी ओर इन्हीं चुनावों की आड़ में कनाडा में आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू के संगठन सिख फॉर जस्टिस ने कई बड़ी बैठकें कर लोकसभा चुनाव में माहौल बिगड़ने की साजिश भी तैयार की है।

केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के सूत्रों से मिली जानकारी

केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक देश में हो रहे आखिरी चरण के लोकसभा चुनाव में खालिस्तानी आतंकियों ने खलल डालने की साजिश रची है। इस साजिश के तहत सिख फॉर जस्टिस ने पंजाब के अलग-अलग पोलिंग स्टेशनों पर खालिस्तानी झंडा लहराने की अपील की है। केंद्रीय खुफिया एजेंसी से जड़े एक वरिष्ठ अधिकारी बताते हैं कि पंजाब में एक जून को होने वाले मतदान से पहले कनाडा के कुछ अलग-अलग शहरों में खालिस्तानी आतंकी संगठनों और उनके समर्थकों के बीच कई बैठकें की गईं। इन बैठकों के दौरान खालिस्तान का मुद्दा उठाया गया।

अग्निकांड में 27 लोगों की मौत के बाद एक्शन में गुजरात सरकार

राजकोट

राजकोट के गेमिंग जोन में हुए भीषण अग्निकांड में 12 बच्चों समेत 27 लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले में गुजरात सरकार ने एक और कार्रवाई की है। राजकोट नगर निगम प्रमुख, पुलिस आयुक्त और दो आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया गया है।

गुजरात सरकार ने किया इन अधिकारियों का तबादला

गुजरात सरकार ने इस मामले में राजकोट नगर निगम प्रमुख समेत

राजकोट पुलिस आयुक्त का तबादला किया है। राजकोट के पुलिस आयुक्त राजू भार्गव के स्थान पर आईपीएस अधिकारी बृजेश कुमार झा को नियुक्त किया गया है। राजकोट की अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (प्रशासन, यातायात एवं अपराध) विधि चौधरी और आईपीएस अधिकारी सुधीरकुमार जे देसाई का भी तबादला किया गया है। इसके साथ ही गुजरात सरकार ने राजकोट नगर निगम के आयुक्त आनंद पटेल का भी तबादला किया है। उनकी जगह डीपी देसाई को राजकोट नगर निगम का आयुक्त बनाया गया है। बता दें कि इससे पहले गेंमिग जोन में अग्निकांड में 27 लोगों की मौत के बाद गुजरात उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार और राजकोट नगर निगम को कड़ी फटकार लगाई थी।

सरकार मुस्लिमों से आरक्षण नहीं छीन सकती: अशोक गहलोत

जयपुर

राजस्थान सरकार द्वारा ओबीसी सूची में 14 मुस्लिम समूहों की समीक्षा करने की घोषणा के बाद, राज्य के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि सभी मुसलमान आरक्षण का लाभ नहीं उठाते हैं, केवल पिछड़े लोग ही इसका लाभ लेते हैं। गहलोत ने कहा कि सरकार चाहे कुछ भी कहे, कुछ नहीं होगा। हमने ओबीसी आयोग की सिफारिशों पर आरक्षण दिया है। सभी मुस्लिम आरक्षण का लाभ नहीं उठाते हैं, लेकिन जो पिछड़े हैं उन्हें आरक्षण मिलता है। जो लोग ओबीसी में आते थे, उन्हें ही आरक्षण मिला है। राजस्थान के सामाजिक न्याय मंत्री अविनाश गहलोत ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस ने ओबीसी श्रेणी के तहत 14 मुस्लिम जातियों को आरक्षण दिया और राज्य सरकार जल्द ही इसकी समीक्षा करेगी।

38 लाख फलदार औषधीय पौधों से गुलजार होगी अयोध्या

अयोध्या

भगवान राम तो अपनी जन्मस्थली अयोध्या में विराजमान हो ही चुके हैं, अब उनकी नगरी को वही पुराना सौंदर्य प्रदान करने की तैयारी है, जैसी कि वह उनके काल में रही होगी। इसके लिए भारतीय फलदार और औषधीय पेड़-पौधों को लगाकर पूरी अयोध्या को हरियाली से भरने की तैयारी की जा चुकी है। उत्तर प्रदेश सरकार ने इस वर्ष केवल अयोध्या में 38 लाख 12 हजार 680 पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। ये पौधे यूपी सरकार के विभिन्न विभागों के द्वारा आने वाले वर्षा काल में अयोध्या के विभिन्न परिसरों में लगाए जाएंगे। इससे पूरी नगरी को हरियाली से भरने, तापमान कम करने, लोगों को ताजा-स्वादिष्ट फल

उपलब्ध कराने और पर्यटन की दृष्टि से अयोध्या की सुंदरता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

हर घर एक पौधा अभियान

पौधों को सुरक्षित करने के लिए अयोध्या में 'हर घर एक पौधा अभियान' चलाने की तैयारी है। इसमें अयोध्या के नागरिकों का सहयोग लेकर सबके घरों-कार्यालयों और निजी-सार्वजनिक स्थलों पर एक-एक पौधा लगाकर उन्हें विकास करने का अवसर दिया जाएगा। इसके लिए शहर के लोगों से सहयोग लेकर लोगों को जागरूक भी किया जाएगा।

कौन से पौधे

जानकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार अयोध्या की आबोहवा को सुधारने के लिए पौधरोपण अभियान चलाने की तैयार कर रही है। इससे वायुमण्डल में ऑक्सीजन की शुद्ध मात्रा को बढ़ाने व वातावरण को संरक्षित करने में मदद मिलेगी। अयोध्या के वन संरक्षक प्रणव जैन ने बताया है कि फलदार और ऑक्सीजन देने वाले पौधों को अधिक संख्या में लगाने की योजना है। इससे वातावरण को शुद्ध करने में मदद मिलेगी। सहजन, पीपल, पाकड़, बरगद, अर्जुन, जामुन, आंवला, अमरुद, आम, सागौन, शीशम आदि किस्म के ज्यादा से ज्यादा पौधों के रोपण की तैयारी है।

अफजाल अंसारी मामले में इस हफ्ते जारी रहेगी सुनवाई

इलाहाबाद हाईकोर्ट में 2 घंटे चली सुनवाई, परिवार ने मांगी 5 दिन की मोहलत

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। सपा नेता अफजाल अंसारी की अपील पर हाईकोर्ट में चल रही सुनवाई आज पूरी हो गई है। हालांकि आज की सुनवाई को लेकर अभी अदालत का फैसला नहीं आया है। अफजाल अंसारी के वकीलों ने बीजेपी के पूर्व विधायक कृष्णानंद राय के परिवार की तरफ से सजा को बढ़ाए जाने की मांग को लेकर दाखिल की गई। अर्जी पर आपत्ति जताने के लिए कोर्ट से मोहलत मांगी है। अफजाल अंसारी के वकीलों ने कोर्ट से कम से कम पांच दिनों की मोहलत दिए जाने की गुहार लगाई है। हाईकोर्ट ने कहा- इस सप्ताह सुनवाई जारी रहेगी।हाईकोर्ट के फैसले से ही तय होगा कि सांसद अफजाल अंसारी चुनाव लड़ सकेंगे या नहीं। अफजाल के चुनाव लड़ने की तस्वीर अब तक साफ नहीं है। माना जा रहा है कि कोर्ट इस मामले में आज कोई फैसला दे दे। 23 मई को इलाहाबाद हाईकोर्ट में इस मामले पर सुनवाई हुई थी। करीब डेढ़ घंटे तक सुनवाई के बाद अदालत ने 27 मई की तारीख तय कर दी थी। कोर्ट में राज्य सरकार की तरफ से पक्ष रखा गया था। गैंगस्टर मामले में गाजीपुर एमपी-एमएलए कोर्ट द्वारा मिली 4 साल की सजा के खिलाफ अफजाल अंसारी ने याचिका दाखिल की है। राज्य सरकार और पीयूष राय की तरफ से अफजाल अंसारी की सजा बढ़ाने की मांग को लेकर याचिकाएं दाखिल की गई हैं। अफजाल अंसारी की अपील पर जस्टिस संजय कुमार सिंह की सिंगल बेंच सुनवाई कर रही है।

इससे पहले 21 और 22 मई को दो घंटे तक सुनवाई चली थी : अफजाल अंसारी के वकीलों ने हाईकोर्ट में अपना पक्ष रखते हुए सजा खत्म करने की मांग की थी। कोर्ट को बताया था कि अफजाल अंसारी के चुनाव लड़ने को लेकर संशय बना हुआ है। कोर्ट से अपील किया कि सजा रद की जाए। राज्य सरकार और पीयूष राय के वकीलों ने इसका विरोध किया। उन्होंने अफजाल अंसारी की सजा बढ़ाने की मांग की। इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले से ही तय होगा कि अफजाल अंसारी लोकसभा चुनाव लड़ सकेंगे या नहीं।

फिर नहीं हो सकी फसल चोर कोटेदार के जमानत की सुनवाई

कोरांव। थाना कोराव में दर्ज राजस्व विभाग तहसील कोरांव द्वारा लोक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम की धारा 3/5 से संबंधित केस में सुपुर्दगी में दी गई ग्राम प्रधान को फसल को चोरी में कोटेदार अल्हवा और उसके पुत्र द्वारा काट कर उठा ले जाने के मामले में मुकद्दमा अपराध संख्या थाना कोरांव 46/2024 धारा 379 आईपीसी में निरुद्ध कोटेदार का पुत्र पवन कुमार पाल को कोरांव पुलिस ने जेल भेज दिया था और चोरी की फसल बरामद की थी किंतु पिता लाल बहादुर पाल पुत्र बुद्धि को गिरफ्तार नहीं कर सकी थी। जिसके लिए सेशन कोर्ट ने अग्रिम जमानत का प्रार्थना पत्र खारिज कर दिया था। इस मामले में अभियुक्त लाल बहादुर पाल हाईकोर्ट

सेशन कोर्ट प्रयागराज ने अग्रिम जमानत आवेदन पहले ही कर दी है खारिज, हाईकोर्ट में एंटी सेपेट्री बेल हेतु दाखिल कर रखी है याचिका

में भी एंट्री सेपेट्री बेल के लिए याचिका संख्या दाखिल किया था। जिस पर इतने दिन बाद भी कोर्ट से जमानत प्रार्थना पत्र पर सुनवाई टलती जा रही। याचिका 24 अप्रैल 2024 को लाल बहादुर बनाम स्टेट यूपी प्रस्तुत की गई थी,जिसकी 27 मई 2024 को सिंगल बेंच में डेट सुनवाई हेतु निर्धारित थी किंतु सोमवार को भी जमानत पर सुनवाई टल गई। उक्त रिट में वादी ग्राम प्रधान अल्हवा अहद अहमद सिद्दीकी उर्फ शहजादे ने आपत्ति भी दाखिल की है। अभियोजन पक्ष द्वारा भी मुकद्दमा से संबंधित धारा 379,411 आईपीसी से संबंधित आरोप पत्र और फसल बरामद की रिपोर्ट प्रस्तुत किया है। फिल हाल दिनांक 03/04/2024 को चोरी केस का अभियुक्त लाल बहादुर जो वर्तमान में अल्हवा ग्राम सभा का कोटेदार है कि सेशन कोर्ट/ विषेश न्यायाधीश एमपी एमएलए प्रयागराज ने अग्रिम जमानत प्रार्थना पत्र निरस्त कर दिया था। किंतु चुनाव ड्यूटी में लगे पुलिस विवेचक द्वारा उपयुक्त न होने के कारण अभी तक गिरफ्तारी नहीं कर सके। जिससे उक्त अभियुक्त के हौंसले बुलंद नजर आ रहे। और खुले आम अभियुक्त कोटे पर खाद्यान्न वितरण करता दिख रहा है पुलिस को उसे जरा भी खौफ नहीं दिखता।

मिशनरी ऑफ चैरिटी द्वारा संचालित शिशु गृह विशेष देख रेख वाले बच्चे का किया गया निरीक्षण

प्रयागराज। सोमवार को माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयागराज संतोष राय के निदेर्शानुसार सचिव जिला विधिक सेवा कार्यक्रम प्रयागराज दिनेश कुमार गौतम द्वारा मिशनरी ऑफ चैरिटी द्वारा संचालित शिशु गृह(विशेष देख रेख वाले बच्चे) म्योराबाद चौराहा स्टेनली रोड पेट्रोल पंप के सामने का औचक निरीक्षण किया गया। शिशु ग्रह में बच्चे उपस्थित थे। शिशु ग्रह की संचालिका द्वारा बताया गया कि यहां पर फिजियोथेरेपिस्ट की आवश्यकता है इस संबंध में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी से वातार्लाप करके शिशु गृह में एक फिजियो थेरेपिस्ट को नियुक्त करने के संबंध में दिशा निर्देश प्रदान किए गए। शिशु ग्रह में साफ सफाई, खाने-पीने व अन्य सुविधाएं सुव्यवस्थित पाई गई। सुसंगठित रूप से सारी व्यवस्थाएं रजिस्टर में दर्ज की जाती है। यह जानकारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयागराज दिनेश कुमार गौतम द्वारा प्रदान की गई।

प्रयागराज की दोनों लोकसभा सीटों पर जीत को लेकर भाजपाइयों का दावा

शहर उत्तरी एवं पश्चिम विधानसभा में मतदान प्रतिशत कम होने के बावजूद हम अपने वोटर निकलवाने में कामयाब रहेः राजेंद्र मिश्रा
अपने बूथों पर जीत दिलाने वाले कार्यकताओं को पुरस्कृत करेगी संगठन

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। 25 मई को हुए मतदान को लेकर दोनों लोकसभा सीट फूलपुर एवं इलाहाबाद की लोकसभा सीट पर भारतीय जनता पार्टी प्रयागराज महानगर ने प्रचंड वोटो से जीत का दावा किया है प्रयागराज महानगर की अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के बूथ, सेक्टर और मंडल के कार्यकताओं एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने इस प्रचंड गर्मी में अपनी पूरी ताकत लगा दी और बूथो पर अपनी विचारधारा के वोटरों को निकालने में कामयाब रही और मतदान कराया और कहा कि निश्चित रूप से भारतीय जनता पार्टी अपनी दोनों लोकसभा की सीटों पर एक से डेढ़ लाख की मार्जिन से विजय हासिल करेगी और कहा कि जिन बूथो पर कार्यकताओं ने संगठन के मुताबिक 370 वोट प्लस किया और जीता है उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा और जिन बूथो पर मतदान कम हुए है उनकी चुनाव परिणाम के बाद समीक्षा की जाएगी उसके मुताबिक कार्रवाई की जाएगी जिला प्रवक्ता राजेश केसरवानी ने बताया कि इलाहाबाद लोकसभा की शहर दक्षिणी विधानसभा एवं फूलपुर लोकसभा की उत्तरी विधानसभा में भले ही मतदान का मत प्रतिशत पिछले लोकसभा चुनाव की अपेक्षा कम है लेकिन जितने भी वोट पड़े हैं उन वोटो में 70% भारतीय जनता पार्टी का वोट पड़ा है क्योंकि बूथ के कार्यकर्ता भाजपा की विचारधारा से जुड़े मतदाताओं को वोट डलवाने में सफल रहे और विपक्ष नाकामयाब रहा।

आम के पेड़ से गिरा युवक हाथ पैर टूटा

मऊआइमा। आम का फल तोडने के लिए पेड पर चढा युवक अचानक गिर पडा।जिस का हाथ पर टूट गया। जिसे प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम खगिया में आम के पेड पर फल तोडने के लिए राम बहादुर 25 वर्ष पुत्र जगत बहादुर चढ गया ?बताते हैं कि वह अचानक पेड से गिर पडा घंटों शोर मचाने के बाद ग्रामीण पहुंच कर उसे अस्पताल ले गए। बताया गया है कि उसका हाथ पैर टूट गया है। जहां डाक्टरों ने फिलहाल भर्ती कर लिया है।

खटगियां के युवक का गुजरात में रेलवे पोल से गिरने से मौत

प्रयागराज। घूरपुर थाना क्षेत्र के खटगिंया निवासी लाल बहादुर यादव का 25 वर्षीय पुत्र विजय यादव गुजरात के राजकोट में रेलवे पोल पर तार खींचने का कार्य करता था 25 मई को राजकोट में रेलवे लाइन के पोलो पर तार खींचने का कार्य चल रहा था तार खींचते वक्त विजय का बैलेंस बिगड़ गया और पोल से नीचे गिर गया जिससे उसकी मौत हो गई मौत की सूचना जैसे ही विजय के घर पहुंची । घर में कोहराम मच गया 27 मई को दोपहर एंबुलेंस द्वारा मृतक विजय का शव उसके घर पर आई तो घर में कोहराम मच गया नाते रिश्तेदारों सहित ग्रामीणों की काफी संख्या में भीड़ जुड़ गई पत्नी नीलम पति का साथ पकड़ कर दहाड़े मार कर रोने लगी मृतक का 1 वर्ष का मासूम बच्चा भी है जिसको लेकर मृतक की पत्नी यह कह कर रो रही है कि अब हमारे बेटे की परवरिश कौन करेगा।

सफलता प्राप्त करने का कोई शार्ट कट नहीं

अखंड भारत संदेश

नैनी। नैनी यूनाइडेट ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन्स। सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि ने कहीं सफलता प्राप्त करने का कोई शार्ट कट नहीं है। इसे सिर्फ कड़ी मेहनत लगन और समय प्रबंधन से ही हासिल किया जा सकता है। उक्त बातें यूपीएससी 2023 की परीक्षा में 333वीं स्थान (एआईआर) प्राप्त करने वाले व यूनाइडेट ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन्स नैनी के पूर्व छात्र देवांश मोहन ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए यूसीईआर सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि कहीं। उन्होने कहा की असफलता से निराश होकर प्रयास बंद नहीं करना चाहिए। बल्कि इसे चुनौती के रुप में स्वीकार कर असफलता के पीछे के कारणों का पता लगाना चाहिए। तभी निर्धारित लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। इस अवसर पर देवांश मोहन ने छात्रों को कॉलेज की पढ़ाई से लेकर सिविल सेवा की परीक्षा में सफलता प्राप्त करने तक के सफर के बारे में बताया। उन्होंने यूजीआई के शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया और छात्रों को सफलता के मंत्र दिए। कड़ी के वाइस चेयरमैन सतपाल गुलाटी, यूसीईआर के प्राचार्य प्रो एचपी शुक्ला व यूनाइटेड इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलजी (यूआईपी) के प्राचार्य प्रो संजय श्रीवास्तव ने देवांश मोहन को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। वाइस चेयरमैन ने कहा कि यह यूनाइटेड के लिए गर्व का विषय है की उसके छात्र न सिर्फ आईटी के क्षेत्र में बल्कि यूपीएससी जैसी देश की सबसे प्रतिष्ठित परिक्षा में भी सफलता प्राप्त कर रहें हैं। उन्होने कहा कि देवांश मोहन की यह सफलता निश्चित रुप से अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा का कारक बनेगा। इस मौके पर यूजीआई की प्रो नंदिता प्रधान, डॉ स्वपनिल श्रीवास्तव, डॉ सुधांशु कन्नौजिया, डॉ दिव्या बरतरिया, डीन एवं संकाय सदस्य मौजूद रहे।

थाना परिसर में वर्षो से खराब पड़ा हैंड पंप फरियादियों को होती है पानी की किल्लत

अखण्ड भारत संदेश।

मांडा। थाना परिसर में शुद्ध पेयजल मुहैया कराने के लिए लगा इंडिया मार्का हैंड पंप सालों से खराब पड़ा है। इस हैंडपंप से थाने पर तैनात पुलिस कर्मचारी व आने वाली फरियादी पानी पीते हैं। महीनों से हैंडपंप खराब हो जानें से लोगों को पानी के लिए तरसना पड़ता है। हैंडपंप खराब होने के कारण पुलिस कर्मचारी या तो पानी खरीद कर पीते हैं या फिर उन्हें दूसरे का सहारा लेना पड़ता है। वहीं थाने में आने वाले फरियादियों को भी पेयजल के लिए तरसना पड़ता है।

नहीं है पानी की व्यवस्था :

चिलचिलाती धूप में अधिकारियों से मिलने फरियादी जाते हैं परंतु उन्हें पीने के लिए पानी नहीं मिलता। फरियादियों के लिए लगाए गए हैंडपंप से जब पानी नही निकलता है तो फरियादी अपनी प्यास बुझाने के लिए मजबूरन बजार खरीदकर पानी पीते है। फरियादी ने बताया कि इस भीषण गर्मी में थाना परिसर में पानी की व्यवस्था ना होने से लोग काफी चिंतित है।

हजारों रुपए होते हैं पानी के पिछे बर्बाद :

इस भीषण गर्मी में लगातार मांडा थाना परिसर में फरियादियों का हमेशा आवाजाही लगा रहता है लेकिन परिसर में महीनों से खराब पड़ा हैंड पंप अभी तक ठीक नही कराया गया जिससे पुलिस कर्मी फरियादियों के लिए बाहर से खरीदकर पानी की व्यवस्था करते हैं और हजारों रुपए पानी की खरीद में ही बर्बाद हों जाते है

अधिकारी नही ले रहे रूचि :

थाना परिसर में खराब पड़े हैंडपंप को लेकर फरियादी काफी चिंतित रहते हैं वर्षो से खराब इस हैंडपंप को ठीक कराने के लिए विभागीय अधिकारी रुचि नहीं ले रहे हैं। पानी को खरीदकर दप्तरो में काम चलाया जा रहा हैं। जिस दिन आरओ प्लांट से पानी लेकर टेंपो नही पहुंचता उस दिन कर्मचारियो को पानी नसीब नहीं होता।

भीषण गर्मी से जीवन हुआ अस्त व्यस्त

मांडा। चिलचिलाती धूप व भीषण गर्मी से हीट वेव का असर खुल कर दिखने लगा है। नदी, नाला व तालाब सहित सभी जलाशय सूखने लगे हैं। बोरिंग व चापाकल का वाटर लेयर घटता जा रहा है। आकाश से दिन भर मानों आग बरस रही है। दिहाड़ी मजदूर काम छोड़ दिन भर घर में दुबके रहते हैं जिससे उन्हें रोजी रोटी की समस्या उत्पन्न हो गयी है। गर्मी व पसीने से तरबतर राहत पाने के लिए लोग छांव की तलाश में रहते हैं। आसमान से बरस रही आग लोगों को ज्येष्ठ माह के गर्मी का एहसास करा रहा है। सूर्य की तीखी तेवर और झुलसाने वाली गर्मी से लोगों को आवाजाही करना मुश्किल हो गया है। सुबह नौ बजे से ही सूर्य की तीखी तेवर से पारा चढ़ने लगता है। पिछले एक सप्ताह से झुलसा देने वाली गर्मी से आम जीवन अस्त व्यस्त हो गया है।

मतगणना को लेकर प्रशासन की तैयारीयां पूरी पहले इलाहाबाद फिर आएंगे फूलपुर नतीजे

प्रयागराज। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए मतदान पूरा होने के बाद अब मतगणना के लिए तैयारीयां शुरू हो गई हैं। मुंडेरा मंडी में मतगणना की तैयारियों को लेकर प्रशासनिक अफसरों ने बैठके करनी शुरू कर दी हैं। चार जून को मतगणना के दिन पहले इलाहाबाद संसदीय सीट का परिणाम आएगा और इसके बाद फूलपुर सीट की तस्वीर साफ होगी हालांकि, रुडज्ञान मतगणना शुरू होने के डेढ़ घंटे बाद से ही मिलने शुरू हो जाएंगे लेकिन पूरी तस्वीर सामने आने में सात से आठ घंटे का वक्त लग सकता है। ऐसे में शाम चार बजे तक तस्वीर पूरी तरह से साफ हो सकती है। मतगणना वाले दिनविधानसभा वार 14-14 टेबल लगाए जाएंगे और हर टेबल पर तीन मतगणना कर्मी होंगे। साथ ही एक टेबल आरओ का होगा।वहीं, पोस्टल-बैलेट के जरिये पड़े मतों की गणना के लिए विधानसभा वार आरओ के पास एक टेबल लगाया जाएगा और एक टेबल पर पांच सौ बैलेट पेपर रखे जाएंगे। बैलेट पेपर की गणना के लिए टेबल पर चार मतगणना कर्मियों की तैनाती की जाएगी। सबसे पहले पोस्टर-बैलेट से पड़े मतों की गणना की शुरू की जाएगी। विधानसभा वार अलग-अलग चक्रों में मतगणना होगी। फूलपुर संसदीय सीट के तहत फूलपुर विधानसभा की मतगणना सबसे अधिक 32 चक्रों में पूरी होगी। वहीं, इलाहाबाद पश्चिम की 31,इलाहाबाद उत्तरी व सोरांव की 30-30 और फाफामऊ विधानसभा क्षेत्र की 27 चक्रों में मतगणना कराई जाएगी। वहीं इलाहाबाद संसदीय सीट के तहत इलाहाबाद दक्षिण बारा और कोरांव विधानसभा क्षेत्र की मतगणना 27-27 चक्रों में पूरी होगी। वहीं, करछना की 26 और मेजा विधानसभा क्षेत्र की मतगणना 25 चक्रों में पूरी होगी। इसके अलावा भदोही संसदीय क्षेत्र के तहत प्रतापपुर और हंडिया विधानसभा क्षेत्र की मतगणना भी मुंडेरा मंडी में ही कराई जाएगी। प्रतापपुर की मतगणना 314 चक्रों और हंडिया विधानसभा क्षेत्र की मतणगना 30 चक्रों में पूरी होगी

भाजपा प्रत्याशी के निवास पर जाकर मिले नैनी मंडल के वरिष्ठ नेता

नैनी। नैनी प्रयागराज लोकसभा चुनाव में व्यस्तता के बाद नैनी मंडल के वरिष्ठ भाजपा नेताओं के साथ वरिष्ठ पार्षद मयंक यादव, पूर्व उप ब्लॉक प्रमुख संजय श्रीवास्तव, वरिष्ठ भाजपा नेता सुशील शुक्ला, ने सांसद प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी के निवास पर जाकर मिले और चुनाव की चर्चा कीजिए। इस अवसर पर राकेश कुमार, सुनील कुशवाहा सुनील विश्वकर्मा, नीरज शर्मा, राज सिंह, प्रदीप कुमार तिवारी प्रमुख रहे।

भाजपा सेक्टर संयोजक चनेथू डिंपल शुक्ला की मां का निधन

जंघई। भाजपा सेक्टर संयोजक चनेथू माताशंकर शुक्ला डिंपल की माताजी शीला देवी पत्नी अरुण प्रकाश शुक्ला का निधन 25 मई को बीमारी से हो गया। उनके निधन पर परिजनों एवं ग्रामीणों ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित किया है।शोकाकुल परिवार में प्रेम नारायण शुक्ला एडवोकेट, वीरेंद्र प्रकाश शुक्ला, राजीव रत्न शुक्ला एडवोकेट, मनोज शुक्ला, प्रशांत शुक्ला, प्रमोद शुक्ला, संतोष शुक्ला, मनीष शुक्ला, पवन शुक्ला एडवोकेट, आशीष शुक्ला, अभिषेक, विवेक, अभ्युदय भोले, बमबम सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

पंडित जवाहर लाल नेहरू की पुण्यतिथि पर कांग्रेस कार्यकताओं ने नमन कर अर्पित की श्रद्धांजलि

अखंड भारत संदेश

नैनी। नैनी कांग्रेस पार्टी के कार्यालय काटन मिल पर शहर कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष नयन कुशवाहा के आवास पर देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय पंडित जवाहरलाल नेहरू जी ने देश की आजादी के लिए अंग्रेजी हुकूमत से लगातार ही संघर्ष करते हुए कई बार जेल में भी रहे हैं और देश में आजादी मिलने पर पंडित जवाहरलाल नेहरू जी को देश में प्रधानमंत्री पद की जिम्मेदारी मिली और नेहरू जी अपने प्रधानमंत्री पद की जिम्मेदारी को बहुत ही महत्वपूर्ण रूप में निभाते हुए देश में विकास की क्रांति को समूचे देश में बढ़ाते हुए देश के अंदर रहने वाले लोगों को रोजगार से जोड़ने में अपनी अग्रणी भूमिका निभा कर देश में विकास कार्य को आगे करने में सक्षम गति दिया था।यही नहीं बल्कि देश में पूर्व प्रधानमंत्री स्व जवाहरलाल नेहरू जी को एक आदर्श प्रधानमंत्री के रूप में मानते हुए उन्हें हर नन्हे मुन्ने बच्चे चाचा नेहरू जी के नाम से पुकारते थे।जिसका नतीजा यह हुआ कि पूरे देश के अंदर सभी समुदाय के एक स्वर में उन्हें आदर्श प्रधानमंत्री मानते हुए चाचा नेहरू की उपाधि से सम्मानित किया और उन्हें पंडित नेहरू जी के नाम से पुकारते थे। इस पुण्यतिथि पर कांग्रेस कमेटी प्रयागराज के शहर उपाध्यक्ष विवेक कुमार पाण्डेय ने अपने बयान में कहा कि देश में पूर्व प्रधानमंत्री स्व जवाहरलाल नेहरू जी ने सभी वर्ग के लोगों को बराबरी का अधिकार दिलाने में भी बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी,जिसके चलते आज भी देश में बराबरी के सम्मान में अपने जीवन को यापन कर रहे हैं और देश में उद्योगों को भी बढ़ाने में भी अपनी अमूल्य योगदान दिया था।और पंडित जवाहरलाल नेहरू जी ने अपने जीवनकाल में ही एक पुस्तक लिखी थी जिसे हम सभी लोग भारत एक खोज के नाम से पुकारते हैं।और उनकी पुस्तक में लिखे गए शब्दो को अध्ययन करने से भारत देश के संदर्भ में ज्ञान से संबधित प्रकिया की जानकारी होती है। आज उन्ही के आदर्शो पर चलने की जरूरत है।यही नहीं बल्कि देश में पूर्व प्रधानमंत्री जी शिक्षा को लेकर एक बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और अपने शब्दो मे उन्होंने कहा था कि भारत में शिक्षा को बढ़ावा दिया जाना बेहद ही जरूरी है। क्योंकि शिक्षा की प्राप्ति से ही देश के नौजवानों के साथ साथ व्यापक स्तर पर नागरिकों सम्मान एवं उनके अधिकारों को दिलाने में सक्षम भूमिका निभा सकती है इसलिए देश के अंदर शिक्षा का मिलना बहुत ही आवश्यक है। इस पुण्यतिथि को मनाने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शहर कांग्रेस के उपाध्यक्ष नयन कुशवाहा, शहर महासचिव राकेश श्रीवास्तव, अंजुम नाज, शहर सचिव अशोक सोनी,शंकर प्रसाद मिश्रा, पं वीरेंद्र शर्मा, प्रदीप वर्मा, इंजीनियर विजय कुमार,वार्ड अध्यक्ष राज कुमार कुशवाहा,जमाल अख्तर, दुलारे, मुन्ना जाफरी, निजाम उद्दीन, नागेश भारतीय , राजू भारतीय, वीरेंद्र यादव, अन्नू शुक्ला, बूथ अध्यक्ष इंदुबाला चौधरी, बूथ अध्यक्ष पीयूष कुमार , नाटे,पास्टर विनोद जैकब, कामिल सहित अन्य कई गणमान्य और कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकताओं का सैलाब शामिल रहा है।

यमुना में स्नान करने गए तीन दोस्त डूबे दो की मौत, एक को बचाया गया

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। अतरसुइया थाना क्षेत्र के दरियाबाद के पास जोगी घाट पर स्नान करने गए दो किशोर गहरे पानी में समा गए। घाट पर स्नान कर रहे लोगों ने दोनों को बचाने का प्रयास किया लेकिन दोनों का पता नहीं चला। सूचना पाकर पुलिस पहुंच गए। गोताखोरों की मदद से दोनों की खोजबीन की गई। काफी देर मशक्कत करने के बाद गोताखोरों ने दोनों को बाहर निकाला। तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। एक अन्य को बचा लिया गया। शाहगंज थाना क्षेत्र के अटाला के रोशनबाग के रहने वाले दो किशोर रोमन और सैफ दोस्त थे। दोनों सोमवार को स्नान करने के लिए दरियाबाद के जोगी घाट पर गए थे। नहाते समय दोनों गहरे पानी में चले गए। साथ में गए दोस्त जब तक कुछ समझ पाते दोनों पानी में समा गए। शोरगुल मचाने पर घाट पर स्नान कर रहे लोगों ने खोजबीन का प्रयास किया, लेकिन पता नहीं चला। सूचना पाकर पुलिस गोताखोरों के साथ मौके पर पहुंच गई। काफी देर तक खोजबीन करने के बाद दोनों को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उनकी सांसें थम चुकी थीं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मामले में आज फिर सुनवाई, हाईकोर्ट में 5 घंटे चली बहस

प्रयागराज। मथुरा श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मस्जिद विवाद मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट में 5 घंटे तक सुनवाई चली। शाही ईदगाह कमेटी के वकीलों ने हाईकोर्ट में अपना पक्ष रखा। मुकदमे की पोषणीयता के बिंदु पर वकीलों ने मांग की, कि मथुरा कोर्ट में दाखिल वाद को खारिज किया जाए।हिंदू पक्षकारों के वकीलों ने इसका विरोध किया। अदालत ने 28 मई मंगलवार की दोपहर 12 बजे से फिर सुनवाई का आदेश दिया। अब मंगलवार को मामले की सुनवाई होगी। 24 मई को हुई सुनवाई में हिंदू पक्ष ने अपनी बहस पूरी की थी। बहस खत्म होने के बाद अब मुस्लिम पक्ष फिर से अपनी दलीलें पेश करेगा। जस्टिस मयंक कुमार जैन की सिंगल बेंच 18 याचिकाओं पर कर सुनवाई कर रही है। हिंदू पक्ष की दलीलों को सुनने के बाद अदालत ने अगली सुनवाई 27 मई को दोपहर 12 बजे की दी है। अभी तक की सुनवाई में हिंदू पक्ष मामले को राम जन्मू भूमि की तर्ज कर सुनवाई आगे बढ़ाने की मांग कर रहा है। जबकि मुस्लिम पक्षकारों का कहना है कि मामले में आगे की सुनवाई न हो। मुस्लिम पक्ष मुकदमे की पोषणीयता, प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट 1991, लिमिटेशन एक्ट, वक्फ अधिनियम आदि बिंदुओं पर अपनी बात रख रहा है।

सात जून से शुरू हो सकती है प्रयागराज-बिलासपुर फ्लाइट

प्रयागराज। प्रयागराज-बिलासपुर फ्लाइट का संचालन अगले माह सात जून से शुरू हो सकता है। पहले की तरह ही यह विमान एलाइंस एयर की ओर से शुरू किया जाएगा। इतना ही नहीं एलाइंस एयर ने प्रयागराज से दिल्ली के लिए संचालित विमान को भी हर रोज चलाने की तैयारी की है। अभी यह विमान पांच दिन ही उड़ान भरता है।बता दें कि पिछले माह ही एलाइंस एयर की प्रयागराज-बिलासपुर विमान का संचालन अचानक बंद हो गया। इस विमान के बंद होने के बाद प्रयागराज का छतीसगढ़ से सीधा हवाई संपर्क टूट गया। क्योंकि अक्तूबर 2023 को ही इंडिगो ने प्रयागराज- रायपुर उड़ान भी बंद की थी। ऐसे में विमान से छत्तीसगढ़ जाने वाले यात्रियों को दिक्कत हो रही थी। फिलहाल अगले माह से वहां पहुंचने के लिए उड़ान का संकट खत्म हो जाएगा। एलाइंस एयर प्रबंधन ने पुनः प्रयागराज एयरपोर्ट प्रशासन से स्लॉट मांगा है। यहां से हरी झंडी दे दी गई है। बताया जा रहा है कि इसी सप्ताह डीजीसीए और वायुसेना ने भी इस विमान के संचालन की अनुमति एलाइंस एयर को दे देगी। सात जून से विमान संचालित हो सकता है। बता दें कि पूर्व में दिल्ली से एलाइंस एयर का विमान उड़ान भरकर प्रयागराज आता था।फिर यहां से वहीं विमान बिलासपुर और वापस प्रयागराज आने के बाद दिल्ली रवाना हो जाता था। यह सेवा सप्ताह में चार दिन उपलब्ध थी। अब उसी स्लॉट पर यह विमान एक बार फिर से शुरू हो सकता है। इसके अलावा सात जून से ही एलाइंस एयर की प्रयागराज-दिल्ली सेवा भी पांच की बजाए सात दिन शुरू हो रही है। अभी यह विमान मंगलवार और रविवार को संचालित नहीं होता है। एलाइंस एयर से जुड़े प्रतिनिधियों को भी उम्मीद है कि यह बिलासपुर सेवा सात जून से शुरू हो सकती है।

शास्त्री पुल पर ट्रक, डंपर में टक्कर एम्बुलेंश डिवाइडर से टकराई

अखंड भारत संदेश

झूंसी। शास्त्री पुल पर सोमवार की भोर में शहर की ओर से आ रही एक ट्रक अपने आगे चल रही डंपर में टकरा गई। तो वही दोपहर में जाम की वजह से उल्टी दिशा आ रही एक एम्बुलेश डिवाइडर से टकरा गई। हालांकि तीनो गाड़ियों में कोई घायल तो नही हुआ पर जाम जरूर लग गया।शहर से आटा लाद कर झूंसी की ओर आ रही एक ट्रक अचानक आगे चल रही डंपर से टकरा गई। डंपर तो चली गई पर ट्रक छतिग्रस्त हो गई और शास्त्री पुल पर ही खड़ी रही जिसकी वजह से शहर से झूंसी आने वाले मार्ग पर भी रह रह कर जाम लग रहा था। वही जाम की वजह से उल्टी दिशा में आ रही एक एम्बुलेश शास्त्री पुल के डिवाइडर से टकरा गई। जिसकी वजह से झूंसी की वोर भी जाम बढ़ने लगा। चार बजे के करीब क्रेन से ट्रक हटाया गया तब जा कर आवागमन पूरी तरह से सुचारू हुआ।

शव लेकर जाम में फंसी रही एंबुलेंस

झूंसी। सोमवार को लगे चौतरफा जाम ऊपर से चिलचिलाती धूप में लोग गर्मी से बेहाल दिखे। कई एंबुलेंस भी जाम में फंसी रही एक एम्बुलेंस तो शव लेकर पोस्टमार्टम हाउस जा रही थी। शव लेकर जाम में फंसे एम्बुलेस के चालक ने बताया की वह हंडिया से शव लेकर पोस्टमार्टम हाउस जा रहा है जितनी देर में वह हंडिया से झूंसी पहुंचा गया उससे अधिक समय से वह जाम में फंसा है। जाम से निकलने के लिए उसने एंबुलेंस के दो पहियों को डिवाइडर पर चढ़ाकर निकलना चाहा लेकिन नही निकल पाया।

नैनी नए पुल पर जाम में गाड़ियां घंटो खड़ी रहीं

भीषण गर्मी व चिलचिलाती धूप में जाम में फंसे लोगों को झेलनी पड़ी फजीहत

अखंड भारत संदेश

नैनी। नैनी सोमवार को भीषण गर्मी में जाम के झाम में परेशान रहे शहर के लोग नैनी बैहराना, आलोपी बाग, चुंगी, नैनी सहित ग्रामीण इलाको में जाम की समस्या से परेशानी रही। कई घंटो रहे इस जाम में कई अधिकारियों और एम्बुलेंस फंसी रही। नैनी नए पुल में जाम में गाड़ियां खड़ी दिखी। वहीं नैनी पुराने पुल में भी भयंकर जाम लगा हुआ था नैनी के रहने वाले समाजसेवी मंटू सिंह उनको जाना था प्रयागराज घंटों इंतजार करने के बाद अपने फोन के माध्यम से गूगल में देख रहे थे जाम खुला कि नहीं। वही नैनी के रहने वाले राजेश साहू, टुनटुन पांडे, सुनील जायसवाल, इनको भी जाना था प्रयागराज लेकिन जाम की वजह से नहीं जा पाए। वहीं समाजसेवी मंटू सिंह बताते हैं कि नैनी से शहर जाना है तो अरैल मोड होकर जाना है लेकिन वहां भी जाम लग जाता है इसलिए नैनी स्टेशन होकर जाने में जाम नहीं लगता था लेकिन सड़क चौड़ीकरण को लेकर कई महीनो से काम चल रहा है इसलिए यहां भी जाम लग जाता है।

रोडवेज बस चालक की तबीयत बिगड़ी, हंडिया पहुंचने पर मौत

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। रोडवेज बस चालक की चलती बस में तबीयत बिगड़ गई। इससे यात्रियों में खलबली मच गई। दूसरा चालक बुलाकर बस को गंतव्य के लिए रवाना किया गया। बीमार चालक को गेट के सामने वाली सीट पर बैठा दिया गया। बस जब हंडिया में एक ढाबे पर यात्रियों को पानी पिलाने के लिए रुकी तो बीमार चालक की मौत हो चुकी थी। सूचना पाकर बस मालिक मौके पर पहुंच गए। घटना की जानकारी कंडक्टर ने विभागीय अधिकारियों को भी दे दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया।प्रतापगढ़ जनपद के पूरेहरदत्त राजापुर थाना महेशगंज निवासी राजेंद्र धर द्विवेदी (50) पुत्र प्रेमधर द्विवेदी रोडवेज की अनुबंधित बस में चालक है। बस वाराणसी से प्रयागराज के बीच चलती है। सोमवार को राजेंद्र बस में सवारियों को लादकर वाराणसी से से प्रयागराज के लिए रवाना हुआ। लहरतारा पहुंचने पर ही चालक को उल्टी होने लगी और उसने बस को सड़क के किनारे रोक दिया। इससे यात्रियों में खलबली मच गई। बस कंडक्टर प्रशांत शेखर सिंह ने इसकी जानकारी विभागीय अधिकारियों को देने के साथ ही बस मालिक को सूचना दी। कुछ देर में बस मालिक ने दूसरे चालक को बस चलाने के लिए भेज दिया। नए चालक ने बीमार चालक को अपनी पीछे खाली एक सीट पर बैठा दिया और बस लेकर गंतव्य के लिए रवाना हो गया। यात्रियों की मांग पर पानी पीने के लिए बस को हंडिया के पास एक ढाबे पर रोका गया। चालक और कंडक्टर जब बीमार बस चालक को चाय और पानी पिलाने के लिए उठाने लगे तो उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की जानकारी बस मालिक को दी गई। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच गई और एंबलेंस से चालक को अस्पताल भेजवाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। हीट स्ट्रोक से मौत की आशंका जाहिर की जा रही है। फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही सही कारणों का पता चलेगा।

अंग्रेजों के जमाने जैसा पुलिस का बर्ताव : उज्जवल रमण

प्रयागराज। इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी उज्जवल रमण सिंह ने पुलिस पर अपने एक कार्यकर्ता को करेली थाने में पकड़कर पिटाई करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस प्रत्याशी ने सोमवार को प्रेस नोट जारी कर कहा कि आज की पुलिस अंग्रेजों के जमाने जैसा बर्ताव करने लगी हैं। कहा कि 25 मई को पूर्व सांसद कुंवर रेवती रमण सिंह को करेली थाने पर तीन घंटे बैठाने के बाद छोड़ा गया। इस दौरान समर्थक वहां नारेबाजी करने लगे। इसी बीच अधिवक्ता रेहान अहमद को पुलिस घसीट कर थाने में अगला गई। उन्होंने पुलिस अफसरों से बात की तो कहा गया कि मिनट में छोड़ दिया जाएगा लेकिन दूसरे दिन जमानत करानी पड़ी। इस प्रकरण ने पुलिस ने बताया कि आरोपी रेहान अहमद लग्जरी गाड़ी पर चढ़कर हंगामा कर रहा था। वहीं पर भीड़ में धक्का मुक्की हुई थी। पुलिस ने रोका तो पुलिस के साथ बदसलूकी करने लगा। पुलिस ने उसका शांतिभंग में चालान किया। मारपीट का आरोप फर्जी है। ऐसी कोई घटना नहीं हुई है। सरकारी काम में बांधा पहुंचाने पर पूर्व सांसद समेत अन्य पर मुकदमा दर्ज हुआ था।

नगर निगम का 1 वर्ष उपलब्धियों से भरा रहा : महापौर

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। नगर निगम के कार्यकाल के रूप में 1 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सोमवार को नगर निगम के नए हॉल में सभी पार्षदों के साथ एक वर्ष की उपलब्धियां पर विस्तार से चर्चा हुई इस अवसर पर सभी पार्षदों ने महापौर की सराहना करते हुए कहा इस बार कुशल नेतृत्व की स्थापना हुई है इस बार शहर का चतुर्थ विकास हो रहा है इस अवसर को संबोधित करते हुए महापौर गणेश केसरवानी ने कहा आज का दिन हम सभी के लिए ऐतिहासिक है आज ही के दिन हम सब लोगों ने जन सेवा का शपथ लिया था जनता की आपकी इच्छाओं और आकांक्षाओं को पूरा करते हुए हम सब लोगों ने मिलकर शहर के बुनियादी विकास के लिए 812 सड़क गली नाली का निर्माण कराया, 8 घाटों का निर्माण हो रहा है, 37 शौचायलयों का निर्माण हो रहा है, दो गौशाला का निर्माण हुआ, 387 पार्कों का नवीनीकरण हुआ, दो अमृत सरोवर बने दो सौदाग्रह बनाया जा रहा है, 17 स्मार्ट विद्यालय के माध्यम से शहर के गरीब बच्चों को शिक्षा प्रदान की जा रही है और इसके साथ ही देश भर के स्वच्छता सर्वेक्षण में प्रयागराज को गंगा टाउन सिटी में दूसरा पुरस्कार की उपाधि प्राप्त हुई यह प्रयाग की जनता नगर निगम के पार्षद और नगर निगम प्रशासन की सामूहिक भूमिका का परिणाम है इसके साथ ही खेलो प्रयागराज महापौर कप के माध्यम से प्रयागराज के खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने का भी अद्भुत कार्य गत 1 वर्ष में नगर निगम के द्वारा हम सब लोग मिलकर संकल्प लेते हैं की प्रयागराज के इतिहास परंपराओं को आगे किया जाएगा इसी क्रम में यज्ञ की भूमि प्रयाग में भगवान ब्रह्मा जी की एक विशाल प्रतिमा यज्ञ के महत्व के साथ-साथ ही महर्षि वाल्मीकि जी की एक विशाल प्रतिमा रामायण के महत्व के साथ स्थापित किया जा रहा है कुंभ गैलरी जो कुंभ के इतिहास को प्रत्येक दिनों दिन अनेक जिज्ञासाओं को शांत करेगा प्रयागराज का गौरव बढ़े प्रयागराज एक आदर्श शहर बने और इसमें समाज की भूमिका हो इस नाते हम सभी लोग समाज का जागरण करते हुए स्वच्छता से जोड़ते हुए विकास से जोड़ते हुए एक ऐतिहासिक शहर बनाने में हम सब लोग सफल हो आप सभी माननीय पार्षद नगर निगम प्रशासन प्रयागराज की जनता का महापौर जी ने हृदय से अभिनंदन व्यक्त करते हुए बधाई दी और साथी आभार व्यापित किया।

चिलचिलाती धूप ने झुलसाया, गर्मी में कूलर, पंखे भी हांफते रहे

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। चिलचिलाती धूप और गर्मी से प्रयागराज का पारा सोमवार को फिर हाई हो गया। कई जगह सड़कों पर सन्नाटा दिखा। बहुत जरूरत पड़ने पर ही लोग घरों से निकले। तेज धूप के कारण लोगों का हाल बेहाल दिखा। गर्मी के कारण गला सूखता रहा। गर्मी का प्रकोप इतना तेज रहा कि कूलर और पंखे तक जवाब दे गए। जगह-जगह बिजली कटौती के कारण लोगों को और भी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। सोमवार को दिन का तापमान 46 डिग्री पार कर गया। गर्म हवाओं के चलते लोग चश्मा, टोपी के साथ ही गमछा और दुपट्टे से चेहरा ढंककर चलते दिखे। जिले में भीषण गर्मी का कहर जारी है। रविवार को जिले का तापमान 44.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। पूरे दिन गर्म हवाओं ने लोगों को खूब परेशान किया। गर्मी से बेहाल लोग घरों में ही पंखे, कूलर एसी में दुबके रहे। शाम को आसमान में छाए बादलों ने कुछ राहत जरूर दी, लेकिन गर्म हवा शाम को भी चलती रही। दिन में तेज धूप और उमस के चलते बाजार में सन्नाटा दिखा। सोमवार को सुबह आठ बजे से ही गर्मी का कहर शुरू हो गया। घर में कूलर और पंखा के सामने बैठने पर भी राहत नहीं मिली। गर्मी से निजात दिलाने वाले खाद्य पदार्थों नींबू, शिकंजी, शर्बत, खीरा, ककड़ी, लीची, ठंडे पानी की मांग काफी बढ़ गई। भीषण गर्मी में गंगापार झूंसी की ओर से शहर आने वाले रास्ते पर शास्त्री पुल से लेकर अलोपीबाग तक जबर्दस्त जाम लगने के कारण लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। शहर में जगह-जगह यातायात व्यवस्था संचालित करने के लिए लगाए गए ट्रैफिक सिग्नल से भी लोगों को दिक्कतें हुईं। कहीं 90 तो कहीं 120 सेकंड का रेड लाइट सिग्नल होने के कारण दोपहिया वाहन चालकों की शामत आ गई थी। चिलचिलाती धूप में खड़े होकर सिग्नल ग्रीन होने का इंतजार करना भारी पड़ रहा था। मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार फिलहाल अभी गर्मी से राहत नहीं मिलेगी। शहर में लू चलने की संभावना मंगलवा को भी रहेगी। मौसम विभाग ने रात के समय भी गर्म हवा चलने की बात कही है। 31 मई को बारिश की संभावना जताई जा रही है।

गर्मी ने तोड़ा रिकॉर्ड, ट्रेनों के एसी हो रहे खराब

प्रयागराज, आगरा, झांसी मंडल की 62 ट्रेनों के एसी हुए फेल, 15 दिन में 178 शिकायतें

प्रयागराज। अबकी बार भीषण गर्मी पड़ने का रिकॉर्ड भी टूट रहा है। तेज धूप, लू, तपिश, उमस भरी इस गर्मी में में ट्रेनों के एसी भी जवाब दे जा रहे हैं। इस वक्त रेलवे में शिकायतों का पिटारा एसी की कूलिंग न होने या फिर कम होने को लेकर है।उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) के तीनों मंडलों की बात करें तो प्रयागराज, आगरा और झांसी मंडल में एसी काम न करने की शिकायतें बढ़ीं हैं। 15 दिनों में 178 शिकायतें एसी के काम नहीं करने के मिले हैं।

139, रेल मदद एप पोर्टल, एक्स पर ऑनलाइन शिकायतें : यह वो शिकायतें हैं जो रेलवे के नंबर 139, रेल मदद एप पोर्टल, एक्स के जरिए की गईं। ऐसे बहुत सारे मामले हैं जिनमें ट्रेनों के बड़े स्टेशन पर पहुंचने पर यात्रियों ने हंगामा किया। इतनी शिकायतें करीब 60 से 62 ट्रेनों में आईं। एक तरह से कहा जाए तो गर्मी की वजह से अचानक एक-एक कर करीब 60 ट्रेनों के एसी फेल हो गए। हालांकि शिकायतों के बाद एसी ठीक कराया गया। ऑनलाइन शिकायतों की निगरानी खुद रेलवे अफसरों ने की, इसलिए यात्रियों को जल्दी राहत मिल गई।

सम्भावित बाढ एवं अतिवृष्टि की तैयारियों के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक सम्पन्न

प्रयागराज। जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में सोमवार को सम्भावित बाढ एवं अतिवृष्टि की तैयारियो के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। उक्त बैठक में बांध एवं स्लूज गेटो की मरम्मत, तटबंधो/ कटान वाले क्षेत्रो में बालू की बोरियो की व्यवस्था, नालो/ सीवर/ जलभराव एवं जल निकासी की व्यवस्था, बाढ प्रभावित क्षेत्रो में खाद्यान्न की व्यवस्था, पशुओ का टीकाकरण एवं दवाईयो की व्यवस्था, ब्लीचिंग, फॉगिंग, कीटनाशक एवं एण्टी लारवा का छिडकाव, सडक एवं पुलियो की मरम्मत की प्रगति, हैण्ड पम्प व नलकूपो की व्यवस्था, नाव/ मोटरबोटो की व्यवस्था, बाढ प्रभावित क्षेत्रो में पुलिस पैट्रोलिंग तथा एण्टी लारवा की पर्याप्त मात्रा की उपलब्धता के बारे में सम्बन्धित बिन्दुओ पर विस्तार से तैयारी एवं कार्यवाहियों पर चर्चा की गयी।उक्त बैठक के दौरान विनय कुमार सिह, अपर जिलाधिकारी, (वि0/रा0), प्रयागराज, अपर जिलाधिकारी (ना0आ0), प्रयागराज, सहायक पुलिस आयुक्त (टैजफिक), जिला मलेरिया अधिकारी, अधिशाषी अभियन्ता बाढ कार्य खण्ड, जिला अग्निशमन अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग, पशुपालन विभाग, पंचायतीराज विभाग, नगर निगम विभाग आदि विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जवाहर लाल नेहरू ने आजादी की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाईः जिलाध्यक्ष

इंदिरा भवन पर कांग्रेसियों ने मनाई पं0 जवाहर लाल नेहरु की पुण्यतिथि

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। भारत रत्न, देश के प्रथम प्रधान मंत्री पं0 जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि आज जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय इंदिरा भवन पर जिलाध्यक्ष डॉ0 नीरज त्रिपाठी की अध्यक्षता में समारोह पूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम का संचालन नगर अध्यक्ष इरफान अली ने किया।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष डॉ0 नीरज त्रिपाठी ने कहा कि नेहरू जी ने आजादी की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, उन्होंने आजादी के बाद पहले प्रधानमंत्री के रूप में देश को आगे ले जाने के लिए अनेक योजनाएं बनायीं और उसे लागू किया। नेहरू जी ने देश में विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाया, और इसी का नतीजा है कि आज देश चतुर्दिक विकास कर रहा है। डॉ0 त्रिपाठी ने कहा कि नेहरू जी विचार पर सरदार पटेल ने तमाम राजे-रजवाड़ों को राजी कर देश में मिलाकर एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण संभव हो सका। हम सभी आज हृदय की गहराइयों से नेहरू जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। इस अवसर पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ.वी.के.सिंह, पीसीसी सदस्य डॉ0 प्रशान्त देव शुक्ला, कांग्रेस सेवादल के जिला अध्यक्ष महेन्द्र शुक्ला, कोषाध्यक्ष वेदान्त तिवारी, पूर्व प्रत्याशी विश्वनाथगंज प्रशान्त सिंह प्रिंशु, एनएसयूआई के प्रदेश महासचिव प्रवीण द्विवेदी, कांग्रेस सेवादल के नगर अध्यक्ष ज्योति कुमार तिवारी, मान्धाता ब्लॉक अध्यक्ष मो.असलम, मो वसीम, अभय प्रताप सिंह, के.के शुक्ला, सुरेश मिश्रा, नगर प्रभारी संजय इश्तियाक, त्रिभुवन नाथ पाण्डेय, विश्वास सिंह, अश्वनी उपाध्याय, विमल तिवारी, आनन्द प्रकाश, अनूप सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

पं0 जवाहर लाल नेहरु को श्रद्धांजलि देते कांग्रेसी।

जवाहर लाल नेहरू ने देश को विश्वपटल पर दी मजबूत पहचानः प्रमोद तिवारी

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। नगर स्थित क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना के कैम्प कार्यालय पर आधुनिक भारत के निर्माता पं. जवाहर लाल नेहरू की पुण्यतिथि समारोहपूर्वक मनायी गयी। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी के प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी ने कार्यकर्ताओं के साथ पण्डित नेहरू के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

वहीं विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने कार्यकर्ताओं को वर्चुअल संबोधित करते हुए कहा कि पं. जवाहर लाल नेहरू ने देश को पंचशील सिद्धांत, गुटनिरपेक्ष आंदोलन, सुदृढ़ अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में मजबूत भविष्य सौंपा है। उन्होनें कहा कि पं. जवाहर लाल नेहरू ने वैश्विक पटल पर भारत को एक धर्म निरपेक्ष राष्ट्र के रूप में लोकतंत्रतात्मक व संसदीय प्रणाली का नेतृत्वकर्ता राष्ट्र बनाया। क्षेत्रीय विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि पहले प्रधानमंत्री के रूप में पण्डित नेहरू ने आजाद भारत के विकास तथा मौलिक चिंतन को मजबूत दिशा प्रदान की। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष केडी मिश्र व संचालन मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने किया। इस मौके पर ब्लाक प्रमुख इं. अमित प्रताप सिंह पंकज, अनिल त्रिपाठी, विकास मिश्र, डॉ. अरूण द्विवेदी, कुलभूषण शुक्ल, आईपी मिश्र, दिनेश सिंह, हृदय नारायण मिश्र, मुन्ना शुक्ला, सिंटू मिश्र आदि रहे।

दिव्यांगजन शादी विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना का उठाएं लाभ

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी राजीव कुमार ने जनपद के समस्त दिव्यांगजनों को सूचित किया है कि दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित योजना शादी विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजनान्तर्गत आनलाइन आवेदन वेबसाइट पर स्वीकार किये जा रहे है। आवेदन पत्र साइबर कैफे, निजी इण्टरनेट केन्द्र लोकवाणी के माध्यम से स्थापित जनसुविधा केन्द्रों के माध्यम से किया जा सकेगा। इस योजनान्तर्गत दिव्यांग दम्पत्ति को विवाह करने पर पुरूष के दिव्यांग होने पर प्रोत्साहन पुरस्कार रूपये 15000 एवं महिला के दिव्यांग होने पर रूपये 20000 तथा यदि दम्पत्ति (पति-पत्नी) दिव्यांग है तो रूपये 35000 पुरस्कार स्वरूप प्रदान किया जाता है। उन्होने बताया है कि दिव्यांगजन की शादी-विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना में विवाह पंजीयन की बाध्यता नही है। इच्छुक/पात्रता रखने वाले दिव्यांगजन आनलाइन आवेदन भरते समय आवेदक दम्पत्ति को दिव्यांगता प्रदर्शित करने वाला संयुक्त नवीनतम फोटोग्राफ, आयु प्रमाण पत्र जिसमें जन्म तिथि का अंकन हो, सक्षम स्तर से निर्गत दिव्यांगता प्रमाण पत्र, अधिवास प्रमाण पत्र आधार कार्ड, आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, राष्ट्रीयकृत बैंक में संचालित संयुक्त खाता आदि अभिलेख पूर्ण कर आनलाइन आवेदन कर हार्डकापी मय संलग्नों सहित कार्यालय जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी प्रतापगढ़ कक्ष संख्या-25 में जमा करा दें ताकि नियमानुसार अग्रेतर कार्यवाही की जा सके।

किशोरी के अपहरण में दो नामजद समेत अज्ञात के खिलाफ मुकदमा

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। किशोरी के अपहरण के मामले में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। लालगंज कोतवाली के सलेम भदारी अठैसा निवासी रामफेर यादव ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि बीती बाइस मई को गांव के ऋषिकेश गौतम की पत्नी की मदद से आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के आमापुर निवासी रामदास का पुत्र राहुल कुमार अपने परिजनों की मदद से उसकी नाबालिग सत्रह वर्षीया पुत्री का अपहरण कर लिया। पीड़ित की शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। प्रभारी निरीक्षक अवन दीक्षित ने बताया कि शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर अपहृत किशोरी व आरोपियों की तलाश की जा रही है।

परिणाम की उत्सुकता में एक दूसरे पर लगाने लगे हैं आरोप-प्रत्यारोप

भाजपा व सपा में ही हार-जीत की हो रही है बहस

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। शहर, कस्बों व चाय की दुकानों तथा होटलों में हार-जीत का आंकड़ा लोग अपने-अपने ढंग से लगा रहे हैं। इसमें जिन्हें हार का डर सता रहा है, वह चुनाव के बाद व्यवस्था पर भी प्रश्न उठाने लगे हैं। प्रतापगढ़ ससंदीय क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी ने शिकायत की है कि इस बार निष्ठावान कार्यकर्ताओं व उनके परिजनों के नाम मतदाता सूची में नहीं थे। लोग उनके बयान पर तरह-तरह की टिप्पणियां कर रहे हैं। भाजपा में कार्यकर्ताओं की भीड़ है तो क्या मतदाता सूची पहले नहीं चेक कराई जा सकती थी।

भाजपा प्रत्याशी संगम लाल गुप्ता

सपा प्रत्याशी डा0 एसपी पटेल।

कांग्रेस के कुछ बडे नेता ईवीएम का रोना शुरु कर दिये हैं। लोगों का कहना है कि चुनाव के बाद अब परिणाम आने हैं। लोग हार के डर से तरह-तरह के आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं। परिणाम आने में तो अभी एक सप्ताह बाकी है जबकि विभिन्न चैनल तीन दिन के बाद यानी एक जून की शाम छह बजे के बाद अपना सर्वे देने लगेंगे। अभी अंतिम चरण का चुनाव बाकी है जो एक जून को होगा। वैसे चुनाव आयोग की परवाह किये बिना एक विदेशी चैनल ने अपनी सर्वे रिपोर्ट मोबाइल पर वायरल कर दिया है। उसमें कितनी सच्चाई है, यह तो बाद में पता चलेगा। फिलहाल इस बार कुछ ज्यादा ही परिणाम की उत्सुकता लोगों में देखी जा रही है।

फाल्ट व विद्युतकर्मियों की लापरवाही से नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत कटौती से लोग हलाकान

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। चिलचिलाती गर्मी के बीच लोकल फाल्ट व विद्युतकर्मियों की लापरवाही से लोग गर्मी में हलाकान हो गये। नगर क्षेत्र से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक कई घंटो की कटौती से त्राहि त्राहि मच गयी। लालगंज नगर में रविवार की शाम चार बजे संगम चैराहे के समीप केबिल कटने से पूरे बाजार की बिजली ठप हो गयी। छः घंटे की मशक्कत के बाद किसी तरह विद्युत आपूर्ति बहाल हुई तो लालगंज कोतवाली के सामने केबिल ध्वस्त हो गयी। जिसके बाद दो घंटे मशक्कत के बाद रात एक बजे आपूर्ति बहाल हो सकी। सोमवार की सुबह भी विद्युत आपूर्ति बाधित होती रही। जिससे नगरवासियों का परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं रामपुर बावली विद्युत उपकेंद्र के रामपुर फीडर की एचटी लाइन पर सोमवार की सुबह छः बजे पेड़ गिर गया। जिससे लगभग दो दर्जन गांवों की आपूर्ति ठप हो गयी। विद्युतकर्मियों की लापरवाही के चलते एचटी लाइन से चार घंटे बाद तार हटाया गया। जिससे लोगों को परेशानी उठानी पड़ी। वहीं अजगरा विद्युत उपकेन्द्र व हण्डौर विद्युत उपकेंद्र के तहत कई गांवों मे आठ से दस घंटे की कटौती से जनता त्राहि त्राहि कर उठी।

चुनाव ड्यूटी पर गए ग्राम पंचायत अधिकारी का घर खंगाल ले गए चोर

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। नगर कोतवाली के देवकली रामजी पुरम निवासी पवन कुमार पट्टी ब्लाक में ग्राम पंचायत अधिकारी के पद पर कार्यरत है। लोक सभा चुनाव में उसकी डियूटी मंगापुर में थी। रात में वह महुली मंडी में ईवीएम जमा कर घर पहुँचा तो घर का ताला टूटा मिला। चोरों ने 26 हजार रुपये नगद डेढ़ लाख कीमत के जेवरात सरकारी लैपटॉप उठा ले गए।पवन ने घटना की तहरीर कोतवाली में दी है।

एमडीपीजी कालेज में प्रवेश के लिये काउंसिलिंग शुरु

एमडीपीजी कालेज में काउंसिलिंग के दौरान मौजूद शिक्षकगण व कर्मचारी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। एमडीपीजी कॉलेज में प्राचार्य प्रो मनोज मिश्र ने बताया कि कालेज में प्रवेश कार्य चल रहा है। उन्होंने बताया कि बीए, बीकॉम एवं बीएससी मैथ्स एवं वायो प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश हेतु काउंसलिंग का कार्य हो रहा है। परास्नातक कक्षाओं एम ए भूगोल, अर्थशास्त्र, प्राचीन इतिहास, अंग्रेजी, एमएससी गणित एवं एम काम प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश हेतु आवेदन फॉर्म जमा कराए जा रहे हैं। महाविद्यालय के जन सूचना अधिकारी डॉ सी एन पांडे ने बताया कि प्रवेश कार्य चल रहा है। इच्छुक छात्र-छात्राएं पहले आओ, पहले पाओ की तर्ज पर प्रवेश हेतु अपनी काउंसलिंग करा सकते हैं। काउंसलिंग एवं प्रवेश हेतु विद्यार्थियों को अपने साथ हाई स्कूल अंक-पत्र एवं प्रमाण पत्र की छाया प्रति एवं मूल प्रति तथा इंटरमीडिएट अंक पत्र की सत्यापित प्रति के साथ आधार कार्ड लाना अनिवार्य है। आज हुए प्रवेश कार्य में डॉ छवि नारायण पांडे, डॉ मृदुल उपाध्याय, डॉ बलराज मिश्र, डॉ राजेंद्र प्रसाद मिश्र, आकांक्षा मिश्रा, महेंद्र पटेल, सभाजीत यादव, अनाथ शेट्टी आदि ने सहयोग किया।

इलाज कराने आये युवक की बाइक चोरों ने उड़ाई

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। इलाज के लिए अस्पताल आये युवक की बाइक चोरी के मामले में मुकदमा दर्ज किया गया है। कोतवाली देहात के विक्रमपुर निवासी राजेन्द्र प्रसाद गौतम का पुत्र रंजीत कुमार बीती चैबीस मई को दोपहर इलाज के सिलसिले में लालगंज आया था। सीएचसी के समीप खड़ी बाइक उचक्कों ने मौका देखकर उड़ा दी। पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। प्रशिक्षु उपनिरीक्षक सुमित कुमार वर्मा ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है, शीघ्र ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

युवती की सड़क दुर्घटना मे हुई मौत के बाद परिजनों ने किया चक्का जाम

एसडीएम कुंडा के आश्वाशन पर माने परिजन, गर्मी मे हलाकान हुए यात्री

अखंड भारत संदेश

कुण्डा, प्रतापगढ़। बाघराय थाना क्षेत्र के छेऊंगा मे रविवार की शाम हुयी सड़क दुर्घटना मे घायल पिता और बेटी गंभीर रूप से घायल हो गये थे। जिन्हे इलाज के लिए प्रयागराज रेफर किया गया था जहाँ इलाज के दौरान मंजू पुत्री दिलीप कुमार निवासी खेमीपुर की मौत हो गयी।

मृतका मंजू की शादी बाघराय थाना क्षेत्र के लोसनापुर गांव मे 8 महीना पहले हुयी थी। पिता दिलीप कुमार सरोज रविवार की शाम अपनी बेटी को उसकी ससुराल पहुंचाने जा रहे थे तभी छेऊंगा मे एक कार की चपेट मे आकर गंभीर रूप से घायल हो गये। जिन्हे प्राथमिक उपचार के बाद रेफर किया गया था जहाँ मंजू की मौत हो गयी। मौत कि खबर से बौखलाये ससुरालियों ने शव को सड़क पर रख कर चक्का जाम कर दिया। जाम लगाने की खबर सुनकर बाघराय के थाना प्रभारी निकेत भारद्वाज मौके पर पहुचे और एडीएम कुंडा भी मौके पर पहचे गये। अधिकारियो ने तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद जाम खुलावाया। एसडीएम कुंडा और बव लालगंज रामसूरत सोनकर के कहने पर माने परिजन शव को रोड से हटाने को राजी हुए। परिजनों ने अपनी मांग एसडीएम कुंडा को सौंपी जिन्होंने पूरी मदद और दोषी वाहन चालक के खिलाफ कार्यवाई की बात कही है।

चक्का जाम कर रहे परिजनों को समझाते एसडीएम कुण्डा।

बैटरी, कटर व प्लास के साथ दो अभियुक्त गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल के निर्देशन में जनपद पुलिस द्वारा निरंतर अभियान चलाकर अपराध/अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में थाना हथिगवां के उ0नि0 श्याम बिहारी सिंह मय हमराह उ0नि0 अमित कुमार चैहान द्वारा देखभाल क्षेत्र/तलाश वांछित, वारण्टी अभियुक्त/विवेचना के दौरान मुखबिर की सूचना पर थाना क्षेत्र हथिगवां के बेंती चैराहा के पास से थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 104/2024 धारा 379 भादवि से संबंधित दो अभियुक्तों सूरज पटेल पुत्र रामकृपाल पटेल निवासी ग्राम पुरनेमऊ थाना हथिगवां व सम्राट सिंह पुत्र स्व0 अर्जुन सिंह निवासी ग्राम डीहा थाना हथिवगां के पास से चोरी के अभियोग से सम्बन्धित टाटा 407 गाड़ी के बैट्री बरामद किया गया व अभियुक्तों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक कटर व प्लास बरामद किया गया। उक्त बरामदगी के आधार पर अभियोग उपरोक्त में धारा 411 भादवि की बढ़ोत्तरी की गई। मोटर साइकिल को धारा 207 एमवी एक्ट में सीज किया गया। पूछताछ में अभियुक्तों द्वारा बताया गया कि ग्राम बेंती खास से टाटा 407 गाडी से बरामद कटर व प्लास से हम लोगों नें चोरी की थी जिसे बेचने के लिए जा रहे थे आप लोगों ने पकड़ लिया।

शहर में धूप और ग्रामीण क्षेत्र में आया तूफान

रानीगंज अजगरा, लीलापुर में तेज तूफान से गिरे पेड़, उड़ी छतें

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। शहर में तो लोग भीषण गर्मी व तेज धूप से परेशान हैं लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में चक्रवात से पेड़ रास्तों में गिर गये हैं। इसके अलावा रानीगंज अजगरा में तेज हवा चलने से आरडीएस जीआईसी स्कूल में दो कमरों की छत उड़ गई है। गनीमत थी कि स्कूल में अवकाश था। इससे जान-माल की कोई क्षति नही हुई।

बताया जाता है कि हण्डौर, ढखवा, लीलापुर, रानीगंज अजगरा की ओर से सूर्य नगर बढ़नी में भयंकर तूफान आया जिससे कई पेड़ गिर गये और रास्ता बाधित हो गया। घरों में छप्पर उड़ गये। उक्त स्कूल में बरामदा, दो कमरा व छतें उड़कर दूर जा गिरी हैं। बिजली के उपकरण भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। उक्त स्कूल के प्रबंध समिति के अध्यक्ष ओम प्रकाश पाण्डेय धर्माचार्य ने प्रशासन से क्षतिपूर्ति की मांग की है।

तूफान से उड़े टीन शेड को हटाते ग्रामीण।

मतगणना को लेकर मास्टर ट्रेनर को किया जाएगा प्रशिक्षित

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देश के क्रम में जिलाधिकारी संजीव रंजन एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नवनीत सेहारा मुख्य विकास अधिकारी एवं प्रभारी अधिकारी कार्मिक एवं प्रेक्षक के कुशल नेतृत्व में आगामी 4 जून को होने वाली निर्वाचन मतगणना के संबंध में मास्टर ट्रेनर को प्रशिक्षित करने के लिए जिला विकास अधिकारी एवं सहायक प्रभारी अधिकारी कार्मिक प्रतापगढ़ राकेश प्रसाद की अध्यक्षता में पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से मंगलवार को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इसी की तैयारी को लेकर आज बैठक हुई जिसमें राज्य स्तरीय सुपर मास्टर ट्रेनर डॉक्टर मोहम्मद अनीस, एआरपी धर्मेन्द्र ओझा, रणबीर, अशोक शुक्ला, कमलेश आदि लोग मौजूद रहे।

दहेज लोभी ससुराली जनों ने विवाहिता को पीट कर भगाया

विवाहिता ने हत्या कर देने की जताई आशंका

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। दहेज लोभी ससुराली जनों ने विवाहिता को मार-पीट कर घर से भगा दिया। पीड़ित विवाहिता परिजनों संग मामले की शिकायत लेकर कोतवाली पहुंची और पुलिस को गंभीर आरोपों की तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई है।

पट्टी कोतवाली क्षेत्र के दाउदपुर तकिया गांव की रहने वाली किस्मत बानो पुत्री मोहम्मद शब्बीर का विवाह वर्ष 2020 में मुस्लिम रीति रिवाज के अनुसार हुआ था। मोहम्मद शब्बीर ने हैसियत के अनुसार दान दहेज भी दिया था। परंतु अब ससुराली जनों द्वारा मोटरसाइकिल की मांग की जा रही है। जिसको लेकर विवाहिता को तरह-तरह से प्रताड़ित किया जा रहा है। हद तो तब हो गई जब ससुराली जनों ने दहेज में मोटरसाइकिल दोबारा न मिलने पर विवाहिता को मार-पीट कर घर से भगा दिया। विवाहिता परिजनों संग शिकायत लेकर थाने पहुंची। और पति साबिर अली, सास जैबुन निशा, देवर समीर, व ससुर शाकिर अली, पर लाठी-डंडे व बेल्ट से पीट कर घर से भगा देने के आरोपों की नामजद तहरीर देकर पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है। विवाहिता ने आशंका जताई है कि ससुरालियों द्वारा उसकी हत्या की जा सकती है। वहीं तहरीर के आधार पर पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

जमीनी रंजिश को लेकर घर में घुसकर युवती की पिटाई

पट्टी, प्रतापगढ़। औराईन गांव में जमीनी रंजिश को लेकर एक युवती को पड़ोसियों ने घर में घुस कर मार-पीट कर घायल कर दिया। बीच बचाव को पहुंची मां को भी मारा पीटा गया। पीड़िता ने थाने पर तहरीर दी है। कोतवाली क्षेत्र के औराईन गांव निवासी अनार देवी ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि वह सोमवार को दिन में 11 बजे काम से बाहर गई हुई थी। घर पर उसकी बेटी रंजन पाल थी। आरोप है कि पड़ोसी एक राय होकर उससे गाली गलौज के साथ मार-पीट करने लगे। इस दौरान शोर सुनकर वह भी घर पहुंच गई। विपक्षी लाठी डंडा लेकर उसे भी मारपीट कर घायल कर दिया। इस मारपीट में उसकी बेटी का सर फट गया और वह लहूलुहान हो गई। पीड़िता महिला ने थाने पर प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मां की है।

घराती और बारातियों में जमकर हुई मारपीट, वाहन चालक घायल

पुलिस की मौजूदगी में संपन्न हुआ विवाह

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। बाराती और घरातियों के बीच देर रात जमकर मार-पीट हुई। इस दौरान गाड़ियों में तोड़फोड़ भी की गई। सूचना पर पहुंची पुलिस दो लोगों को हिरासत में लेकर मामले की जांच कर रही है।कोतवाली क्षेत्र के रामकोला गांव के रहने वाले लाल बहादुर हरिजन के घर रानीगंज तहसील क्षेत्र के बीरापुर के रहने वाले रामजी के घर से बेटे की बारात आई थी। द्वारचार के दौरान घरातियों और बारातियों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों में मारपीट होने लगी और लाठी-डंडे चलने लगे। मारपीट के दौरान बारात लेकर आए बोलेरो चालक लालजी मौर्य की भी जमकर पिटाई कर दी गई और उसकी गाड़ी को भी तोड़ दिया गया। सूचना पर मौके पर पहुंची पट्टी कोतवाली पुलिस ने दोनों पक्षों को समझा बुझाकर वैवाहिक कार्यक्रम संपन्न कराया। वहीं पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है और सख्ती से पूछताछ कर रही है। वहीं पीड़ित चालक ने मामले में मार-पीट व तोड़फोड़ की तहरीर पुलिस को देकर कार्रवाई की मांग की है। कोतवाल आलोक कुमार का कहना है कि बारात में मारपीट की सूचना पर मौके पर पुलिस पहुंची और वैवाहिक मांगलिक कार्यक्रम संपन्न करते हुए दो को हिरासत में लिया गया।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बाढ स्टीयरिंग ग्रुप की बैठक सम्पन्न

विगत वर्षा में तहसील मंझनपुर एवं सिराथू के लगभग 48 गॉव बाढ से प्रभावित हुए थे

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी राजेश कुमार राय की अध्यक्षता में उदयन सभागार में बाढ स्टीयरिंग ग्रुप की बैठक सम्पन्न हुई।बैठक में अधिशासी अभियन्ता,सिचाई जगदीश लाल ने बताया कि विगत वर्षा में तहसील मंझनपुर एवं सिराथू की लगभग 48 गॉव बाढ से प्रभावित रहें है। जनपद में कुल 25 बाढ चौकियॉ एवं 173 नाव (छोटी एवं बडी को मिलाकर) उपलब्ध है तथा 16 गोताखोर है। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में वर्षा के समय अगर बाढ की सम्भावित स्थिति होती है तो सभी सम्बन्धित अधिकारी अपने से सम्बन्धित गतिविधियों/ कार्यवाहियों को क्रियान्वित करने के लिए पूर्व से ही कार्ययोजना बनाना सुनिश्चित करें। उन्होने उप जिलाधिकारियों को राजस्व विभाग द्वारा की जाने वाली कार्यवाही यथा- कर्मचारियों की ड्यूटी लगाने, प्रभावित लोगों को राहत साम्रगी आदि उपलब्ध कराने एवं बाढ राहत शिविर के लिए स्थल चिन्हित करने आदि की कार्ययोजना समय से बनाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही छोटी एवं बडी को मिलाकर उपलब्ध 173 नावों का सत्यापन कराने के निर्देश दिए कि कितनी नावें वर्तमान में संचालन की स्थिति में है। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को समय से टेन्डर के कार्यो को क्रियान्वित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला कृषि अधिकारी से सम्भावित बाढ के दृष्टिगत फसल की क्षति के सम्बन्ध में आवश्यक जानकारी प्राप्त करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर सीडीओ डॉ. रवि किशोर त्रिवेदी, अपर जिलाधिकारी अरूण कुमार गोंड, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. सुष्पेन्द्र कुमार, प्रभागीय वनाधिकारी आरएस यादव एवं सभी एसडीएम सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी गण उपस्थित रहे।

फोटोग्राफर्स एसोशियाशन की बैठक में बताए गए फोटोग्राफी के गुण दी फोटोग्राफी की जानकारी

टेढ़ीमोड़ कौशाम्बी। फोटोग्राफर्स एसोशियेशन कौशांबी इकाई की अगुवाई में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन रविवार को जनपद मुख्यालय के एक रेस्टोरेंट में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसोशियेशन के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश चंद्र शर्मा ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। कार्यशाला में विकास बाबू मेंटर फोटोग्राफी और इससे संबंधित समस्त प्रकार की बारीकियां बताई गई जिससे मार्केट में

बेहतर कार्य करने वाले फोटोग्राफर्स हुए सम्मानित

नित नई तरह की फोटो और वीडियो को बनाने में आने वाली परेशानियों से निजात मिल सके एसोशियेशन के प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र कुमार बिष्ट ने कार्यशाला में उपस्थित समस्त फोटो ग्राफर्स को विभिन्न प्रकार की तकनीकी जानकारी और उससे संबंधित गुण बताते हुए उन्हे प्रयोग करते हुए सिखाया। उसके बाद कार्यक्रम में उपस्थित बेहतर फोटोग्राफी करने वाले फोटोग्राफर्स को उनके द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हे प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन एसोशियेशन के जिला प्रभारी योगेंद्र कुशवाहा, जिलाध्यक्ष अभिषेक कुशवाहा और कोषाध्यक्ष अजय अग्रहरी ने किया। कार्यक्रम में जनपद के समस्त फोटोग्राफर उपस्थित रहे।

विवाहिता की मौत के आरोपी पति ससुर सास को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बांदा जनपद के थाना कमासिन की बालिका की 20 अप्रैल 2024 को बड़े ही धूमधाम से हुई थी शादी

कौशाम्बी। मोहब्बतपुर पइंसा थाना क्षेत्र के रामसहाई पुर गांव में विवाहिता की मौत में पुलिस द्वारा दहेज हत्या के 03 वांछित अभियुक्तों द्वारिका प्रसाद पांडे पति नरेंद्र कुमार पांडे ससुर विमला देवी पांडे सास को गिरफ्तार किया गया। विधिक कार्यवाही के पश्चात न्यायालय भेजा गया। जानकारी के अनुसार अशोक कुमार मिश्रा निवासी पछौन्हा थाना कमासिन जिला बांदा ने अपने पुत्री शिरांशी की शादी 20 अप्रैल 2024 को द्वारिका प्रसाद पुत्र नरेंद्र कुमार पांडेय निवासी रमसाहाई पुर थाना पइंसा के साथ धूमधाम से की थी शादी में 6 लाख नगद सहित सोने चांदी का जेवर फर्नीचर कपड़ा बर्तन बिस्तर आदि 10 लाख से अधिक का सामान दिया था शादी में मायके से विदा होकर ससुराल पहुँची बेटी वापस मायके नहीं पहुँची कई बार उसके माता-पिता ने शादी के बाद उसे वापस मायके भेजने के लिए कहा लेकिन ससुराल के लोग दहेज में सामान कम मिलने की डिमांड को लेकर विवाद करते रहे और शिरांशी की विदाई नहीं की शादी के 34वें दिन बेटी के पिता अशोक कुमार को सूचना मिली कि उनकी बेटी की मौत हो गई है माता-पिता भाई सहित तमाम लोग रमसाहाई पुर गांव पहुंच गए जहां मायके के लोगों ने शिवांशी की हत्या किए जाने का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा काटा है विवाहिता के हत्या में पुलिस ने उसके पति द्वारिका पांडेय उसके ससुर नरेंद्र कुमार पांडेय सास बिमला देवी को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया जहां से तीनो को जेल भेज दिया गया।

देवी देवताओं तथा सरकार के खिलाफ टिप्पणी करने वाली प्रधानाध्यापिका के खिलाफ मुकदमा दर्ज

कौशाम्बी। सिराथू विकासखंड के रूप नारायणपुर गोरियों सैलाबी गांव में तैनात एक प्रधानाध्यापिका पर हिंदू देवी देवताओं और सरकारी नौकरी में रहते हुए सरकार के खिलाफ सोशल मीडिया पर पोस्ट करने की शिकायत हो रही थी। यही नहीं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक और ट्विटर पर भी लगातार जिले के लोगों के साथ-साथ पूरे देश के लोग इस मामले को उठा रहे थे। देर शाम खंड शिक्षा अधिकारी सिराथू नीरज की तहरीर पर कोखराज थाना पुलिस ने मामले को दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं दूसरी ओर उक्त अध्यापिका पर विभागीय कार्रवाई भी तय मानी जा रही है। बेसिक शिक्षा अधिकारी ने प्रधानाध्यापिका को निलंबित कर दिया है। बताते चलें कि सोशल मीडिया पर हिंदू धर्म के देवी देवताओं और सरकार के खिलाफ सिराथू विकासखंड के रूप नारायणपुर गोरियों सैलाबी प्राथमिक विद्यालय में तैनात प्रधानाध्यापिका वर्षा देवी पर लगातार पोस्ट करने की शिकायत आ रही थी। मामले को लेकर सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर जिले के साथ-साथ पूरे देश के लोग शिकायत कर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। मामले को तूल पकड़ता देख रविवार की देर शाम सिराथू के खंड शिक्षा अधिकारी नीरज कुमार की तहरीर पर कोखराज थाना पुलिस ने गंभीर धाराओं में अध्यापिका के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। मुकदमा लिखा जाने के बाद से ही हड़कंप मचा हुआ है। वहीं जिले में लोगों को आपके आक्रोश को देखते हुए यह लग रहा है कि विभाग भी जल्द इनके खिलाफ कठोर कार्रवाई करने का मन बना चुका है। हालांकि बेसिक शिक्षा अधिकारी ने प्रधानाध्यापिका को निलंबित कर दिया है।

खण्ड शिक्षा अधिकारी सिराथू ने दर्ज कराया मामला कई दिनों से सोशल मीडिया में प्रधानाध्यापिका की पोस्टों की हो रही थी चर्चा

आपत्तिजनक पोस्ट करने वाली प्रधानाध्यापिका को बेसिक शिक्षा अधिकारी ने किया निलंबित

न्यूज झरोखा

पाइप लाइन के लिए गड्ढा खोदकर फरार हुआ ठेकेदार सो गया कुंभकर्णी नींद

दस दिन से परेशान ग्रामीणों में आक्रोश, जल्द करेंगे धरना प्रदर्शन योगी सरकार को बदनाम करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं अधिकारी

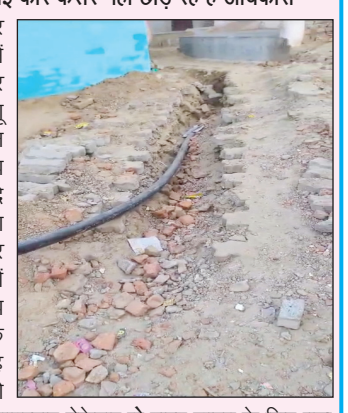

कौशाम्बी योगी सरकार ने हर घर जल योजना के अंतर्गत गांव गांव में पानी टंकी के निर्माण के साथ हर घर पानी पहुंचाने की योजना लागू की है जिससे कोई ज्यादा परेशान न हो इसके लिए उन्होंने विभागीय अधिकारियों को सख्त आदेश दे रखा है उन्ही अधिकारियों द्वारा ठेकेदार के जिम्मे कार्य छोड़कर अपना पलरा झाड़ लिया ठेकेदारों को यह आदेश दिया गया कि पाइप लाइन बिछाने के लिए जिस सड़क को खोदेंगे उसे पहले की तरह समतल कर देंगे ताकि ग्रामीणों को आने जाने परेशानी न हो लेकिन लापरवाह ठेकेदार तो पाइप लाइन के लिए गड्ढा खोदकर फरार हो गए हैं। ताजा मामला मंझनपुर विकास खण्ड से सटे आदर्श नगर पंचायत करारी के बगल में गुलाम नूर का पूरा मजरा गुलामीपुर का है जहां पर लापरवाह ठेकेदार ने दस दिन पहले गांव में पाइप लाइन बिछाने के लिए गड्ढा खोदवा दिया लेकिन अभी तक उसे समतल नहीं करवाया जिससे ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिससे ग्रामीणों में जबरदस्त आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों ने कहा अगर जल्द समस्या का समाधान नहीं हो जाता तो धरना प्रदर्शन करेंगे। फिलहाल ग्रामीणों ने आला अधिकारियों का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराते हुए लापरवाह और निरंकुश ठेकेदार के खिलाफ कार्यवाही करते हुए रास्ते को मरम्मत कराए जाने की मांग की है।अब देखना यह है कि क्या लापरवाह ठेकेदार अपनी कुंभकर्णी नींद से जागकर गांव के रास्ते को सही कराएंगे या फिर योगी सरकार के सभी नियम हवा हवाई साबित हो जायेंगे।

70 वाहनों का पुलिस ने किया ई चालान

कौशाम्बी पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के निर्देशन में जनपद स्तर पर थाना पुलिस और यातायात पुलिस द्वारा वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया इस अभियान में दो पहिया वाहन और चार पहिया वाहन को थाना पुलिस और यातायात पुलिस द्वारा चेक किया गया चेकिंग के दौरान 70 वाहनों के विरुद्ध ई चालान की कार्रवाई पुलिस द्वारा की है

मारपीट का वारंटी गिरफ्तार

कौशाम्बी महेवाघाट थाना पुलिस द्वारा वारंटी अभियुक्त शिव पूजन निवासी बैरागी पुर को गिरफ्तार किया गया। विधिक कार्यवाही के पश्चात न्यायालय भेजा गया मारपीट साइड विभिन्न मामले में शिवपूजन के विरुद्ध वारंट जारी हुआ था जिस पर उसकी गिरफ्तारी हुई है।

पुलिस चौकी के पास में खुलेआम बिकता है गांजा

कौशांबी सराय अकिल थाना क्षेत्र के बेनीराम कटरा पुलिस चौकी से 100 कदम की दूरी पर खुलेआम नशीला पदार्थ गांजे का कारोबार बेखौफ हो रहा है पुलिस महानिदेशक ने निर्देश दिया कि संगठित अपराध में लिप्त लोगों पर कठोर कार्रवाई की जाए और संगठित अपराध में लिप्त लोगों पर कार्यवाही करने में लापरवाह पुलिस कर्मियों को दंडित किया जाए लेकिन पुलिस चौकी से 100 कदन की दूरी पर खुलेआम गाँजा की बिक्री में लगे कारोबारी पर चौकी पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही है ऐसा नहीं है कि चौकी पुलिस को जानकारी नहीं है कोई भी व्यक्ति दुकान में पहुंचता है नोट देता है गांजा की पुड़िया लेकर चला आता है 100 कदम की दूरी पर मौजूद चौकी पुलिस को गांजा बिक्री की कैसे नहीं जानकारी होगी यह बड़ा सवाल खड़ा हो रहा है लगातार प्रतिदिन गांजा बिक रहा है कई वर्षों से गांजा बिक रहा है लेकिन चौकी पुलिस अनजान बनने का ढोंग करके संगठित अपराध में लिप्त गाँजा माफिया को बढ़ावा दे रहे हैं इसके पीछे उनका निजी क्या स्वार्थ छिपा है यह तो पुलिस की बड़ी जांच का विषय है 4 किलोमीटर में सराय अकिल थाना है बेनीराम कटरा चौराहे पर थाना पुलिस द्वारा प्रतिदिन भ्रमण किया जाता है चेकिंग लगाई जाती है लेकिन बेनीराम कटरा चौराहे पर बिकने वाले गाँजा से सराय अकिल पुलिस भी अनजान बनी हुई है।

जाम के झाम से जूझते मूरतगंज क्षेत्र के लोग

कोखराज कौशाम्बी संदीपन घाट थाना क्षेत्र के मूरतगंज बाजार में प्रतिदिन घण्टो लगने वाले जाम के झाम से कस्बे के लोग जूझ रहे हैं यातायात व्यवस्था सुचारु करने के लिए यातायात पुलिस के जवानों की ड्यूटी भी लगाई गई है कस्बे में मूरतगंज चौकी के कई सिपाहियों की डियूटी लगाकर व्यवस्था सुचारू करने का प्रयास पुलिस अधिकारियों द्वारा किया जाता है लेकिन चौकी पुलिस से लेकर यातायात पुलिस तक केवल वाहनों की वसूली तक सीमित है कस्बा क्षेत्र में घण्टो जाम लगने के बाद आम जनमानस का निकलना मुश्किल हो जाता है दोपहिया से लेकर चार पहिया वाहन सवार जाम में फंसकर घण्टो परेशान रहते हैं बाजार के बीच पुलिस चौकी होने के बाद चौकी प्रभारी जाम से अंजान बने रहते हैं बार-बार लोगों के फोन करने के बाद भी जाम को हटाने के लिए प्रयास नहीं किया जाता जब मामले की जानकारी अधिकारियों तक पहुंचती है और अधिकारियों का निर्देश मिलता है तब पुलिस चौकी के सिपाही जाम हटाने के लिए तैयार होते हैं एक बार जाम हटाने के बाद दोबारा फिर जाम लग जाता है कस्बे में विक्रम टेंपो स्टैंड सड़क पर बना हुआ है पूरे दिन सड़क पर वाहन खड़ा करके चालक सवारी भरते हैं जाम का एक अहम कारण यह भी है लेकिन विक्रम टेंपो को सड़क से कभी भी सिपाहियों द्वारा हटाने का निर्देश नहीं दिया जाता यदि कभी निर्देश भी दिया गया तो विक्रम टेंपो चालक सड़क से वाहन को नहीं हटाते हैं कभी-कभी जाम एक-एक किलोमीटर लंबा लग जाता है सड़क के इस पार से उस पर पैदल निकलना भी मुश्किल हो जाता है कस्बे में जाम लाइलाज हो चुका है और पुलिस चौकी के सिपाही जाम को हटाने के लिए सक्रिय नहीं दिखाई पड़ रहे हैं जिससे पुलिस की उदासीनता का अंदाजा लगाया जा सकता है मूरतगंज कस्बे में लगने वाले जाम के स्थाई समाधान की मांग मूरतगंज के लोगों ने पुलिस अधीक्षक से की है।

बिना तालाब खुदाई दरहा गांव में निकाल लिया गया मनरेगा से मजदूरी

दरहा गांव के तालाब में नहीं भराया गया पानी इधर-उधर प्यासे भटक रहे पशु पक्षी मोर

कौशाम्बी। खंड विकास अधिकारी नेवादा और जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा तालाब में पानी भरे जाने के मामले को लेकर जिला अधिकारी को लगातार गुमराह किया जा रहा है मुख्य विकास अधिकारी भी खंड विकास अधिकारी और जिला पंचायत राज अधिकारी के फर्जी आंकड़ों पर रोक नहीं लगा पा रहे हैं 25 दिन पहले जिला अधिकारी की मीटिंग में अधिकारियों द्वारा बताया गया कि गांव गांव के तालाब में पानी भर दिया गया है लेकिन हकीकत यह है कि बरसात को अभी लगभग 20 दिन बचे हैं लेकिन अभी भी 80 प्रतिशत ग्राम पंचायत के तालाब में पानी नहीं भरा गया है जबकि खजाने से बजट निकाल लिया गया है और बरसात का इंतजार किया जा रहा है जिससे बरसात होते ही तालाब में पानी भर जाएगा और उनके झूठे रहस्य पर पर्दा पड़ जाएगा लेकिन अधिकारियों द्वारा तालाब में पानी भरने के मामले में जिलाधिकारी को गुमराह करने के बाद भी अभी तक संबंधित ग्राम प्रधान पंचायत सचिव खंड विकास अधिकारी और जिला पंचायत राज अधिकारी के खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं की गई है जिला अधिकारी को गुमराह करके सरकारी खजाने से करोड़ों की रकम निकालने वाले संबंधित अधिकारियो का यह पहला कारनामा नही है जब जिला अधिकारी को गुमराह करके सरकारी खजाने से करोड़ों की रकम निकाल ली गई है बल्कि कई मामलों में जिलाधिकारी को गुमराह करके अधिकारियों द्वारा सरकारी खजाने से योजना की रकम निकाली जा चुकी है जो गंभीर बिंदु है और इस पर कठोर कार्रवाई किए जाने की जरूरत है तालाब में पानी ना भरे जाने से राष्ट्रीय पक्षी मोर सहित विभिन्न पशु पक्षी प्यासे व्याकुल इधर-उधर भटक रहे है गौरतलब है कि नेवादा विकासखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत दरहा के तालाब सहित अन्य तालाब में अभी तक पानी नहीं भरा गया है यही स्थिति आसपास के अन्य गांव के तालाब की भी है तेज धूप लू तपन से राष्ट्रीय पक्षी मोर सहित विभिन्न पशु पक्षी पानी के लिए प्यासे व्याकुल दिखाई पड़ रहे हैं जबकि जिला अधिकारी को सूचना दे दी गई है कि तालाब में पानी भर गया है ग्राम पंचायत दरहा के तालाब में खुदाई करने के बहाने मनरेगा में योजना की रकम में डाका डाला जा रहा है तालाब की खुदाई नहीं हो सकी है लेकिन फर्जी फोटो बनाकर मनरेगा योजना से लाखों की रकम निकाल ली गयी हैं ग्राम पंचायत दरहा के भ्रष्टाचार में खंड विकास अधिकारी नेवादा और जिला पंचायत राज अधिकारी मौन रहकर सहमति दे चुके हैं जिससे सरकारी खजाना लूटने वाले बेखौफ है तालाब में बिना पानी भराए सरकारी खजाने से रकम निकालकर जिला अधिकारी को सूचना देने का यह मामला बेहद गंभीर है और इस मामले में यदि शासन स्तर से जांच कराई गई तो करोड़ों के घोटाले की हकीकत बेपर्दा होगी और कई अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई होगी।

घर से गायब बालिका की मंदिर में करा दी शादी

बालिका के माता-पिता और उसके रिश्तेदार संबंधी इस शादी में शामिल नहीं हुए, ना अग्नि के फेरे लिए गए ना सात वचन सुनाए गए ना मंत्र सुनाए गए ना शहनाई बजी

कौशाम्बी। फतेहपुर जनपद के किशुनपुर थाना अंतर्गत एक गांव की दलित नाबालिक बालिका घर से गायब हो गई थी मामले की सूचना परिवार के लोगों ने पुलिस को दी है बालिका को ले जाने वाला युवक कौशांबी जनपद के मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव का है बालिका को बरामद करने के लिए किशनपुर पुलिस परेशान है घर परिवार के पास बालिका वापस नहीं पहुंची है आरोपी युवक के परिवार के लोग बालिका को लेकर के मंझनपुर के एक मंदिर में पहुंचे हैं और शादी विवाह का शुभ मुहूर्त ना होने के बाद शुक्रअस्त होने के बाद भी मंदिर में माला डालकर बालिका और युवक की शादी करा दी है जबकि शुक्र अस्त के मुहूर्त में हिंदू धर्म में शादी नहीं होती है बालिका के माता-पिता और उसके रिश्तेदार संबंधी इस शादी में शामिल नहीं हुए हैं उन्हें सूचना ही नहीं दी गई किसी की बेटी की शादी हो रही है उसके माता-पिता भाई-बहन नातेदार शादी में न शामिल हो तो यह कैसी शादी है कहीं बालिका को दबाव में लेकर के युवक के परिजनों ने पुलिस से बचने के लिए बालिका की शादी तो नहीं कराई है युवक के परिवार के लोगों के साथ बालिका और युवक मंदिर पहुंचे फटाफट एक दूसरे को माला पहनाया गया दनादन फोटो खींची गई 10 मिनट में बालिका और युवक की शादी हो गई ना अग्नि के फेरे लिए गए ना सात वचन सुनाए गए ना मंत्र सुनाए गए ना शहनाई बजी हिन्दू धर्म के विवाह की अन्य रस्म भी नही अदा किया गया फटाफट शादी हो गई।

सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन की युवकों ने कर दी चेन पुलिंग, रेलवे पुलिस ने तीन लोगों को पकड़कर किया चालान

कौशाम्बी। जिले में कुछ युवकों ने ट्रेन नंबर 04116 अम्बेडकर नगर स्पेशल डाउन सुपर फास्ट ट्रेन में अचानक चेन पुलिंग कर दी और ट्रेन से उतर गए,अचानक रुकी ट्रेन को देख रेलवे प्रशासन दौड़ पड़ा,यह ट्रेन कानपुर की तरफ से प्रयागराज जा रही थी, जिसका स्टापेज प्रयागराज था।रेलवे पुलिस ने चेन पुलिंग मामले में तीन युवकों को पकड़ लिया और पूछताछ के बाद लिखापढ़ी कर उनका चालान कर दिया। घटना रेलवे स्टेशन भरवारी के पास की है जहा कुछ युवकों ने भरवारी उतरने के लिए 04116 सुपर फास्ट स्पेशल ट्रेन को चैन पुलिंग कर रोक लिया और उतरने लगे। इस दौरान ट्रेन 10 मिनट तक मेन लाइन पर खड़ी रही। ट्रेन रूकने की जानकारी पर पहुंची आरपीएफ पुलिस ने ट्रेन से उतरे हुए यात्रियों से पूछताछ की और उचित जवाब न मिलने के चलते पुलिस ने तीन यात्रियों को पकड़कर लिखापढ़ी कर उनका चलान कर दिया। आरपीएफ चौकी प्रभारी भरवारी सुरेन्द्र पासवान ने बताया कि चैन पुलिंग के मामले में स्पेशल ट्रेन से उतरने वाले आरोपी अनूप कुमार पुत्र श्रीचंद निवासी ग्राम- धन्ती, थाना संदीपन घाट, अजय कुमार पुत्र श्री चंद , विनोद कुमार पुत्र सुबई लाल निवासी ग्राम अस्तुल्लाहगंज थाना संदीपन घाट को पकड़ कर पूछताछ करने पर उनके द्वारा यह बताये जाने पर की वे लोग ही चैन पुलिंग किए हैं सभी का सुसंगत धाराओं में चालान कर दिया गया है।

उद्यान विभाग नर्सरी की चहारदीवारी निर्माण में जमकर धांधली

उद्यान इंस्पेक्टर के काम रुकवाने के बाद भी नही रुका घटिया निर्माण, उद्यान मंत्री का चहेता ठेकेदार चहारदीवारी बनाने में लूट रहा है उद्यान विभाग का खजाना

कौशाम्बी। उद्यान विभाग की नर्सरी में चहारदीवारी के निर्माण में ठेकेदार जमकर धांधली कर रहा है घटिया सामग्री से उद्यान विभाग नर्सरी की चहारदीवारी बनाई जा रही है शिकायत के बाद भी घटिया निर्माण पर रोक नहीं लगाई गई है योगी सरकार के भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था पर उद्यान विभाग के मंत्री का चहेता ठेकेदार भारी पड़ गया है उद्यान निदेशालय से कौशांबी जिले के राजकीय उद्यान विभाग की नर्सरी बालीपुर टाटा में चारों ओर चाहर दीवारी का निर्माण करने के लिए 50 लाख रुपए से अधिक का बजट स्वीकृत करने के बाद ठेकेदार को निर्माण की जिम्मेदारी दी गई बताया जाता है कि ठेकेदार उद्यान मंत्री का कारखास है और उन्हीं के निर्देश के चलते यहां विभागीय अफसर को वह बलाए ताक पर रखता है उद्यान विभाग की नर्सरी में तीसरे दर्जे के पीली ईट से निर्माण किया जा रहा है सीमेंट बालू के मिश्रण का अनुपात भी नियम विरुद्ध लगाया जा रहा है सीमेंट की जुड़ाई के बाद जोड़े गए दीवार को पानी से पूरी तरह तराई नहीं किया जा रहा है जिससे सीमेंट बालू का मिश्रण राख बन कर रह जाएगी। उद्यान विभाग की नर्सरी में जब घटिया निर्माण की जानकारी उद्यान विभाग के अधिकारियों को लगी तो इंस्पेक्टर प्रमोद को विभाग ने निर्माण स्थल पर भेज कर निर्माण के गुणवत्ता की जांच कर हकीकत देखने का निर्देश दिया प्रमोद ने निर्माण स्थल पर पहुंचकर ठेकेदार द्वारा लगाए जा रहे दो ईट को आपस में टकराया तो ईट चूर-चूर हो गया मौके पर तीसरे दर्जे की घटिया क्वालिटी के पीली ईट का दो चट्टा लगा हुआ था सीमेंट बालू का मिश्रण भी मानक से बहुत खराब था जिस पर प्रमोद ने चाहर दिवारी के निर्माण रोकने का ठेकेदार को निर्देश दिया लेकिन ठेकेदार तो उद्यान मंत्री का चहेता है उसके लिए विभागीय अधिकारी कर्मचारी ठेंगे पर हैं उसने विभाग के इंस्पेक्टर की बात नहीं मानी और घटिया क्वालिटी के तीसरे दर्जे की पीली ईट से चाहर दीवारी का निर्माण शुरू रखा है उद्यान मंत्री का यह चहेता ठेकेदार निर्माण लागत का 30 प्रतिशत में निर्माण पूरा कर 70 प्रतिशत की रकम घोट जाना चाहता है घटिया निर्माण को विभागीय अफसर विवशता से देख रहे हैं वह ठेकेदार के साथ कुछ कर नहीं पा रहे हैं और मंत्री का चहेता ठेकेदार विभाग की रकम पर खुलेआम डाका डाल रहा है अब मंत्री जी तो कौशांबी के निर्माण की गुणवत्ता देखने नहीं आएंगे जिससे उन्हें ठेकेदार गुमराह करने में सफल हो जाएगा और सरकारी बजट लूटकर वह फरार हो जाएगा फिर शिकायत होती रहे जांच होती रहे जांच में लीपापोती होती रहेगी इसलिए घटिया निर्माण को रोकना होगा और मंत्री के चहेते ठेकेदार पर मुकदमा दर्ज करा कर उस पर कठोर कार्रवाई किए जाने की जरूरत है। घटिया निर्माण पर रोक लगाए जाने की आवाज आम जनता ने भी बुलंद की है अधिकारी को भी शिकायती पत्र दिया गया था लेकिन उसके कई दिन बाद भी घटिया निर्माण पर रोक नहीं लग सका है जिससे योगी सरकार में भ्रष्टाचार मुक्त की बात करना बेमानी लगने लगा है ठेकेदार के निर्माण पर यदि रोक नहीं लगाई गई तो उद्यान विभाग का खजाना ठेकेदार के लूटने से कोई नहीं रोक सकता निर्माण की हकीकत उजागर करनी होगी जिससे उद्यान मंत्री को भी मालूम हो सके कि उनके साथ में रहने वाले लोग स्वार्थी है और उन्हें भी गुमराह करने से नहीं चूक रहे हैं इस संबंध में जिला उद्यान कार्यालय से बात करने पर बताया गया की घटिया निर्माण हो रहा है लेकिन ठेकेदार मान नहीं रहा है।

संपादक की कलम से

कैसे करें किसानी

अपनी खेती की जमीन को बचाना है तो प्रयास करना होगा। चुनावी घोषणाओं की गारंटी और मौसम का कोई भरोसा नहीं है, इसलिए मुगालते में न रहें। किसानों की एकजुटता और बहुफसली प्रणाली ही समस्या का समाधान है। गेहूं और धान के अधिकाधिक उत्पादन से समस्या और विकराल हो जाएगी, इसलिए समय रहते इन फसलों का रकबा कम करते जाएं और अन्य फसलों का रकबा बढ़ाते जाएं। कई राज्यों में भारी बारिश और ओलावृष्टि ने किसानों की खड़ी फसल को हाल में काफी नुकसान पहुंचाया है और मौसम विभाग के अनुसार अभी आगे भी मौसम के तेवर यूं ही सख्त बने रहने की संभावना है। भले ही किसानों को 'न्यूनतम समर्थन मूल्य' (एमएसपी) का कानून न मिले, भले ही खराब हुई फसलों का मुआवजा न मिले, परंतु किसानों को सरकार और मौसम की मार मिलना तय है। किसानों पर दोहरी मार पड़ने की परंपरा बहुत पुरानी है। एक तो फसलों के सही दाम नहीं मिलते और ऊपर से अब तो लगभग हर साल ही मौसम की मार किसानों को झेलनी पड़ रही है। देश में महंगाई का बोलबाला है, परंतु किसानों की फसलों के दाम वैसे नहीं बढ़ते जैसे सरकारी कर्मचारियों के महंगाई भत्ते और सैलरी बढ़ती है, जैसे देश के माननीय सांसदों और विधायकों की सैलरी बढ़ती है? आखिर देश के करोड़ों लोगों का पेट और व्यापारियों के वेयर हाऊस भरने वाले किसानों को अपनी उपज का दाम मिलने में इतनी परेशानी क्यों है? क्या कारण है कि सरकार इनको 'एमएसपी' भी नहीं दे पा रही है? एक तरफ तो सरकार कह रही है कि किसानों की आमदनी दुगुनी हो गई है, दूसरी तरफ उन्हें 6000 रुपये सालाना 'किसान सम्मान निधि' भी दी जा ही है। जब सरकार को किसानों की इतनी ही चिंता है तो फिर 'स्वामीनाथन आयोग' की रिपोर्ट के अनुसार 'एमएसपी' पर 'सी 2+50फीसदी' फॉर्मूले के मुताबिक 'एमएसपी' क्यों नहीं दे देती? यदि इस हिसाब से किसानों को अपनी फसल के दाम मिलने लगेंगे तो किसानों को 'किसान सम्मान निधि' की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। 'स्वामीनाथन आयोग' की रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकार को 'एमएसपी' को उत्पादन की औसत लागत से कम-से-कम 50प्रतिशत अधिक बढ़ाना चाहिए। इसे 'सी2+50प्रतिशत' फॉर्मूले के नाम से भी जाना जाता है। इस फॉर्मूले में किसानों को 50प्रतिशत रिटर्न देने के लिए पूंजी की अनुमानित लागत और भूमि का किराया (जिसे सी-2 कहा जाता है) शामिल है। यदि सरकार चौधरी चरण सिंह जी और स्वामीनाथन जी को भारतरत्न दे सकती है तो फिर किसानों को उन्हीं की रिपोर्ट के अनुसार 'एमएसपी' क्यों नहीं दे सकती? आश्चर्य की बात तो यह है कि चुनाव के समय में भी सरकार की तरफ से कोई नरमी नहीं बरती जा रही। इस बार के चुनावी अंतरिम बजट में सभी वर्गों एवं किसानों को बड़ी उम्मीदें थीं, परंतु किसी को कुछ हाथ नहीं लगा। उल्टा कृषि बजट में कटौती कर दी गई। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने हेतु बजट में कोई प्रावधान नहीं रखे गए। प्रश्न उठता है कि देश के किसानों के हालातों में कैसे सुधार आएगा?

एक तरफ किसानों की लागत में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, लागत के अनुपात में फसलों के दाम नहीं मिल रहे, वहीं दूसरी तरफ मौसम के कारण फसलों को जो नुकसान होता है उसका मुआवजा और बीमा भी समय पर नहीं मिलता। किसानों की परेशानी कम होने का कोई रास्ता निकलता नहीं दिख रहा है। किसानों को बीमा तथा मुआवजा समय पर मिलें, इसके लिए भी ठोस कदम उठाना चाहिए। दृढ़ निश्चय, ईमानदारी और सही नीयत के साथ यदि काम किया जाएगा तो इस कार्य को करने में कोई कठिनाई नहीं है। दूसरी ओर किसानों को भी प्रयास करना चाहिए कि वे एकल फसल पद्धति छोड़कर अन्य फसलों का भी रकबा बढ़ाएं, ताकि उत्पादन को नियंत्रित करके फसलों के सही दाम लिए जा सकें। इसे हम एक उदाहरण से समझते हैं। मान लेते हैं कि एक 5 एकड़ का किसान रबी सीजन में गेहूं की फसल से 100 क्विंटल उत्पादन लेता है, जबकि खरीफ सीजन में धान लगाकर 75 क्विंटल उत्पादन लेता है। दोनों फसलों से किसान को 175 क्विंटल उत्पादन प्राप्त हुआ। अब किसान के पास भंडारण की व्यवस्था नहीं है, इसलिए यह माल बेचना उसकी मजबूरी हो जाएगी। यदि किसान इस 5 एकड़ में रबी सीजन में सरसों, चना, मसूर,अलसी, जौ, धनिया इत्यादि फसलों का रकबा बढ़ा दे और गेहूं सिर्फ एक एकड़ में लगाए तो उसको सिर्फ 20 क्विंटल गेहूं मिलेगा।

बाकी 4 एकड़ में दूसरी फसलों से उसे उसकी जरूरत का सामान भी मिलेगा और गेहूं की अपेक्षा अधिक दाम भी मिलेगा, खर्च भी कम होगा और मजबूरी में बेचने की समस्या से भी निजात मिलेगी। किसान ने हर फसल का सीमित उत्पादन किया है जिसे वह साल भर अपने हिसाब से बेच सकता है। इन फसलों के अलावा भी बहुत सारी फसलें हैं जिन्हें अपने खेत में लगाया जा सकता है। कुल मिलाकर, यदि अधिक-से-अधिक फसलें अपने खेत में उत्पादित करें तो सरकारों और व्यापारियों के आगे हाथ फैलाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। दो एकड़ से लेकर 15 एक-ड़ वाले छोटे किसान यह कर सकते हैं कि वे अपनी जमीन में अपनी जरूरत की सभी चीजों का थोड़ा-थोड़ा उत्पादन लें और सीधे ग्राहकों को बेचें। सरकार और व्यापारियों के भरोसे खेती न करें, बल्कि अपने ग्राहकों के भरोसे खेती करें। सरकार चाहे 'एमएसपी' की गारंटी न दे, परंतु यदि आप अपने ग्राहकों को भरोसे की गारंटी देने में कामयाब हो गए तो आपको कर्ज से भी मुक्ति मिलेगी और मंडियों के चक्करों से भी। काम कोई ज्यादा कठिन नहीं है, बस अपनी पढ़ाई-लिखाई का इस्तेमाल कर-के योजनाबद्ध तरीके से काम करने से इस समस्या का हल निकल आएगा। यदि आपको अपनी खेती की जमीन को बचाना है तो प्रयास करना होगा। चुनावी घोषणाओं की गारंटी और मौसम का कोई भरोसा नहीं है, इसलिए मुगालते में न रहें। किसानों की एकजुटता और बहुफसली प्रणाली ही समस्या का समाधान है। गेहूं और धान के अधिकाधिक उत्पादन से समस्या और विकराल हो जाएगी, इसलिए समय रहते इन फसलों का रकबा कम करते जाएं और अन्य फसलों का रकबा बढ़ाते जाएं। पहले अपने परिवार का पेट भरने के बारे में सोचें, न कि सरकार और व्यापारियों के वेयरहाउस भरने का। इसी तरीके से जलवायु तथा मौसम में हो रहे बदलाव के प्रति अनुकूलित हुआ जा सकता है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने गर्मी से बचने के लिए जारी किए टिप्स

बढ़ती गर्मी के बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को नियोक्ताओं से कहा है कि वो अपने कार्यस्थल पर आवश्यक सुरक्षा उपाय अपनाएं जिससे कर्मचारियों को परेशानी न हो। मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "दफ्तर के अंदर या बाहर काम के लिए जाने तक सुनिश्चित करें कि कर्मचारी स्वस्थ और उत्पादक बने रहें।" एक एनिमेटेड पोस्ट में, मंत्रालय ने नियोक्ताओं से कार्यस्थल पर उचित पेयजल सुविधाएं प्रदान करने का आह्वान किया। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कुछ टिप्स साझा किए, "दिन में गर्मी के दौरान कर्मचारी को बाहर की ड्यूटी लगाने से बचें। मौसम ठंडा होने पर ही बाहरी कार्यों को शेड्यूल करें, कर्मचारी को बार बार रेस्ट दें।" इसने नियोक्ताओं को कर्मचारियों को गर्मी से संबंधित बीमारी के लक्षणों को पहचानने के लिए प्रशिक्षित करने की भी सलाह दी। अत्यधिक गर्मी के संपर्क में आने से स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है, जिसमें शरीर पर चकत्ते से लेकर गंभीर और संभावित रूप से घातक स्वास्थ्य समस्याएं जैसे गर्मी से थकावट और हीट स्ट्रोक शामिल हो सकते हैं। मंत्रालय ने कहा, सिरदर्द, चक्कर आना, डिहाइड्रेशन और सांस लेने में समस्या गर्मी से संबंधित बीमारी के सामान्य लक्षण हैं। इस बीच, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने लगातार गर्मी और उच्च तापमान को लेकर रविवार को दिल्ली सहित उत्तर भारत के कई राज्यों के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया। आईएमडी ने कहा कि दिल्ली में तापमान 43 से 47 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। अत्यधिक गर्मी लोगों की आजीविका और रोजमर्रा की गतिविधियों को प्रभावित कर रही हैं

अग्निकांड़ों ने हर भारतीय का दिल जख्मी किया

- ललित गर्ग-

गुजरात के राजकोट में एक एम्यूजमेंट पार्क के अंदर गेमिंग जोन में लगी आग की लपटें अभी ठीक से बुझी भी नहीं थीं कि शनिवार देर रात राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बच्चों के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में आग लगने से सात नवजात बच्चों की जान चली गयी। दोनों ही घटनाओं में हताहत होने वालों में ज्यादातर छोटे बच्चे हैं। निश्चित रूप से ये हादसे प्रशासनिक लापरवाही की उपज हैं, यही कारण है कि सिस्टम में खामियों और ऐसी आपदाओं को रोकने में सरकारी अधिकारियों की लापरवाही की निंदा की जा रही है। यह याद रखने योग्य है कि नियमित अंतराल पर मानवीय जिम्मेदारी वाले पहलू की अनदेखी से ऐसी गंभीर घटनाएं होने के बावजूद अधिकारियों की उदासीनता और लापरवाही कम होती नहीं दिख रही है। इन जहरीली काली आग ने कितने ही परिवारों के घर के चिराग बुझा दिए। कितनी ही आंखों की रोशनी छीन ली और एक कालिख पोत दी कानून और व्यवस्था के कर्णधारों के मुँह पर। ह्यअग्निकांडह्ल एक ऐसा शब्द है जिसे पढ़ते ही कुछ दृश्य आंखों के सामने आ जाते हैं, जो भयावह होते हैं, त्रासद होते हैं, डरावने होते हैं। जीवन का हर पल दुर्घटनाओं का शिकार हो रहा है। दुर्घटनाओं को लेकर आम आदमी में संवेदनहीनता की काली छाया का पसरना हो या सरकार की आंखों पर काली पट्टी का बंधना-हर स्थिति में मनुष्य जीवन के अस्तित्व एवं अस्मिता पर सन्नाटा पसर रहा है।

इन दोनों मामलों में शुरूआती सूचनाएं ही संदेह का पुख्ता आधार प्रदान कर रही हैं। मसलन, यह बताया गया कि राजकोट के प्राइवेट एम्यूजमेंट पार्क में चल रहे गेमिंग जोन को फायर एनओसी नहीं मिला था। इसके बावजूद यह गेमिंग जोन धड़ल्ले से चल रहा था, बड़ी संख्या में बच्चे यहां महंगे टिकट लेकर आ रहे थे और अगर आग लगने की यह घटना न होती तो पता नहीं कब तक सब कुछ ऐसे ही चलता रहता। ठीक इसी तरह दिल्ली के बेबी केयर सेंटर की आग की घटना ने सभी को झकझोर कर रख दिया है। एनआईसीयू में वेंटिलेटर पर ही 7 नवजात ने दम तोड़ दिया। आग की लपटें इतनी तेज थी कि बच्चों को पीछे के रास्ते से बड़ी मुश्किल से निकाला गया। 5 बेड की क्षमता वाले हॉस्पिटल में 12 बच्चों का इलाज हो रहा था। जाहिर है, एक बेड पर दो या तीन बच्चे थे। आग लगने, हॉस्पिटल के मिस मैनेजमेंट और लापरवाही का क्या स्थानीय प्रशासन को अंदाजा नहीं होना चाहिए कि उसके कार्यक्षेत्र में किस तरह के व्यवसाय कानूनी प्रक्रियाओं की अनदेखी करते हुए चलाए जा रहे हैं? प्रश्न है कि इन बढ़ती दुर्घटनाओं की नृशंस चुनौतियों का क्या अंत है? बहुत कठिन है दुर्घटनाओं की उफनती नदी में जीवनरूपी नौका को सही दिशा में ले चलना और मुकाम तक पहुंचाना, यह चुनौती सरकार के सम्मुख तो है ही, आम जनता भी इससे बच नहीं सकती। इन दोनों अग्निकांड़ों में पीड़ितजन तो सहानुभूति के पात्र हैं ही, पर इन घटनाओं के लिए सहानुभूति की पात्र देश की जनता भी है, जो भ्रष्ट, लापरवाह एवं लालची प्रशासनिक चरित्रों को झेल रही है। मनुष्य अपने स्वार्थ और रुपए के लिए इस सीमा तक बेईमान और बदमाश हो जाता है कि हजारों के जीवन और सुरक्षा से खेलता है। दो-चार परिवारों की सुख समृद्धि के लिए अनेक घर-परिवार उजाड़ देता है। राजकोट हो या राजधानी में प्राइवेट संस्थानों में आग लगना- बेकसूर लोगों के मारे जाने की घटनाएं कोई नई या चौंकाने वाली बात नहीं है। कभी कोई फैक्ट्री इस वजह से सुर्खियों में आती है तो कभी

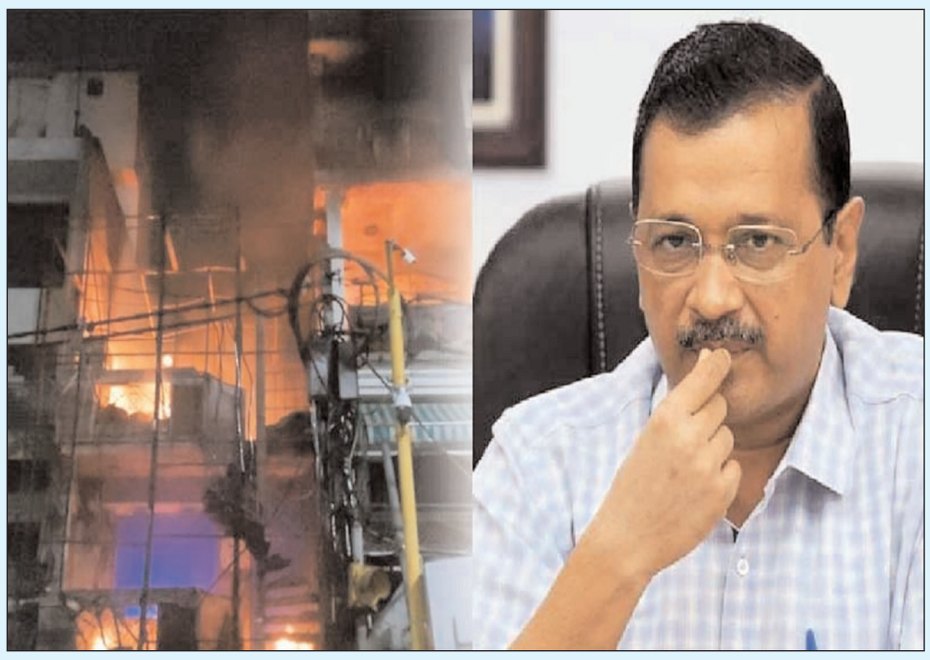

कोचिंग संस्थान। कभी कोई अस्पताल तो कभी एम्यूजमेंट पार्क। घटना के बाद पता चलता है कि वे संस्थान तमाम कानूनी प्रक्रियाओं को ताक पर रखते हुए चलाए जा रहे थे। यही वजह है कि दोनों ही मामलों में तत्काल जांच के आदेश दे दिए गए। मगर आम तौर पर ऐसे आदेश घटना से उपजे असुविधाजनक एवं ज्वलंत सवालों की ओर से लोगों का ध्यान हटाने भर का काम करते हैं। आसमान से बरसती आग के बीच शनिवार को हुए इन दोनों अग्निकांडों में मासूमों व बच्चों की मौत ने हर संवेदनशील व्यक्ति को झकझोरा है। तंत्र की काहिली और आपराधिक लापरवाही के चलत ऐसे हादसे होते हैं जिनमें भ्रष्टाचार पसरा होता है, जब अफसरशाह लापरवाही करते हैं, जब स्वार्थ एवं धनलोलुपता में मूल्य बौने हो जाते हैं और नियमों और कायदे-कानूनों का उल्लंघन होता है।

आग क्यों और कैसे लगी, यह तो जांच का विषय है ही लेकिन इन व्यावसायिक इकाइयों को उसके मालिकों ने मौत का कुआं बना रखा था। आखिर क्या वजह है कि जहां दुर्घटनाओं की ज्यादा संभावनाएं होती हैं, वही सारी व्यवस्थाएं फेल दिखाई देती है? सारे कानून कायदों का वहीं पर स्याह हनन होता है। हर दुर्घटना में गलती भ्रष्ट आदमी यानी अधिकारी एवं व्यवसायी की ही होती है पर कारण बना दिया जाता हैं पुर्जों व उपकरणों की खराबी को। जैसे-जैसे जीवन तेज होता जा रहा है, सुरक्षा उतनी ही कम हो रही है, जैसे-जैसे प्रशासनिक सर्तकता की बात सुनाई देती है, वैसे-वैसे प्रशासनिक कोताही के सबूत सामने आते हैं, मरने वालों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन हर बड़ी दुर्घटना कुछ शोर-शराबें के बाद एक और नई दुर्घटना की बाट जोहने लगती है। सरकार और सरकारी विभाग जितनी तत्परता मुआवजा देने में और जांच समिति बनाने में दिखाते हैं, अगर सुरक्षा प्रबंधों में इतनी तत्परता दिखाएं तो दुर्घटनाओं की संख्या घट सकती है। लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है, क्यों नहीं हो रहा है, यह मंथन का विषय है।

राजधानी दिल्ली ही नहीं, देश में हर जगह कानूनों एवं व्यवस्थाओं की धज्जियां उड़ते हुए देखा जा सकता है। इंसान का जीवन कितना सस्ता हो गया है। अपने धन लाभ के लिये कितने इंसानों के जीवन को दांव पर लगा देता है। मालिकों से ज्यादा दोषी ये अधिकारी और कर्मचारी हैं। अगर ये अपनी जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी से निभाते तो उपहार सिनेमा अग्निकांड नहीं होता, नन्दनगरी के समुदाय भवन की आग नहीं लगती, पीरागढ़ी उद्योगनगर की आग भी उनकी लापरवाही का ही नतीजा थी। बात चाहे पब की हो या रेल की, प्रदूषण की हो या खाद्य पदार्थों में मिलावट की-हमें हादसों की स्थितियों पर नियंत्रण के ठोस उपाय करने ही होंगे। तेजी से बढ़ता हादसों का हिंसक एवं डरावना दौर किसी एक प्रान्त या व्यक्ति का दर्द नहीं रहा। इसने हर भारतीय दिल को जख्मी किया है। इंसानों के जीवन पर मंडरा रहे मौत के तरह-तरह की डरावने हादसों एवं दुर्घटनाओं पर काबू पाने के लिये प्रतीक्षा नहीं, प्रक्रिया आवश्यक है। स्थानीय निकाय हो या सरकारें, लाइसेंसिंग विभाग हो या कानून के रखवाले-अगर मनुष्य जीवन की रक्षा नहीं की जा सकती तो फिर इन विभागों का फायदा ही क्या? कौन नहीं जानता कि ये विभाग कैसे काम करते हैं। सब जानते हैं कि प्रदूषण नियंत्रण के नाम पर इंस्पैक्टर आते हैं और बंधी-बंधाई राशि लेकर लौट जाते हैं। लाइसेंसिंग विभाग में ऊपर से नीचे तक भ्रष्टाचार है। नैतिकता और मयार्दाओं के इस टूटते बांध को, लाखों लोगों के जीवन से खिलवाड़ करते इन आदमखोरों से कौन मुकाबला करेगा? कानून के हाथ लम्बे होते हैं पर उसकी प्रक्रिया भी लम्बी होती है। कानून में अनेक छिद्र हैं। सब बच जाते हैं। सजा पाते हैं गरीब आश्रित, निर्दोष अभिभावक जो मरने वालों के पीछे जीते जी मर जाते हैं। पुलिस ह्वव्यक्तिह्ल की सुरक्षा में तैनात रहती है ह्वजनताह्ल की सुरक्षा में नहीं। भ्रष्ट अधिकारी नोट जुगाड़ने की कोशिश में रहते हैं, जनता की सुरक्षा के लिये नहीं। भ्रष्टाचार शासन एवं प्रशासन की जड़ों में पेठा हुआ है, इन विकट एवं विकराल स्थितियों में एक ही पंक्ति का स्मरण बार बार होता है, ह्वघर-घर में है रावण बैठा इतने राम कहां से लांऊह्ल। भ्रष्टाचार, बेईमानी और अफसरशाही इतना हावी हो गया है कि सांस लेना भी दूभर हो गया है।

प्रेषकः
(ललित गर्ग)
लेखक, पत्रकार एवं समाजसेवी
ई-253, सरस्वती कुंज अपार्टमेंट
25, आई.पी. एक्सटेंशन, पटपड़गंज, दिल्ली-92
मो. 9811051133

अशिष्टता के शब्दकोश को नहीं अपनाएगी जनता

- शकील अख्तर

हमारे गांवों में हास्यबोध बहुत है। कामन सेंस भी। पहले भी शायद बताया कि कृषि के मामले में पहले नोबल पुरस्कार विजेता नार्मन बोरलाग ने कहा था कि- भारत के किसानों में सहज ज्ञान बहुत है। वे कृषि की अपनी पारंपरिक पद्धति को बहुत सफलतापूर्वक नई पीढ़ी को हस्तांतरित करते रहते हैं और नया ज्ञान भी सीखते रहते हैं। इन्दिरा गांधी द्वारा की गई हरित क्रान्ति से बोरलाग बहुत प्रभावित थे। कुफ्र टूटा खुदा खुदा करके! आखिर यह लंबा उकताने वाला चुनाव खत्म होने को आ ही गया। 6 दौर हो गए। सातवां और आखिरी एक जून को हो जाएगा। मगर यह एक जून आने में इतनी देर क्यों कर रही है? सब चाहते हैं कि यह जल्दी आए। चुनाव निपट जाएं ताकि प्रधानमंत्री को आराम मिल सके। सबको डर है कि अभी बचे 5 दिन में प्रधानमंत्री पता नहीं और क्या बोल जाएं! खुद उनका चुनाव बचा हुआ है। प्रियंका गांधी और डिंपल यादव ने उनके चुनाव क्षेत्र वाराणसी जाकर माहौल गर्म कर दिया है। दोनों का संयुक्त रोड शो बहुत सफल रहा। वाराणसी के लोगों में जिस तरह का उत्साह था वह प्रधानमंत्री को और उकसा सकता है। अभी तक उन्होंने क्या क्या बोला यह बताना बेकार है। इतिहास में भी कहीं दर्ज नहीं होगा। क्या कभी किसी ने इतिहास में पढ़ा है- भैंस! अभी हाल में मुजरा कहा है। इसके आगे अभी क्या क्या कह सकते हैं किसी को नहीं पता। एक लंबी लिस्ट है। जिसमें टोंटी भी है। बाकी चीजें मंगलसूत्र, बिजली, बैंक अकाउंट मछली वगैरह हम सोच सकते हैं कि हमारी बातचीत में कभी न कभी आने वाले शब्द हैं। मगर यह भैंस, मुजरा, टोंटी क्या आम बोलचाल में उपयोग होते हैं? भारत के प्रधानमंत्री जो कहते थे दुनिया उसे ध्यानपूर्वक सुनती थी। आज जो प्रधानमंत्री कह रहे हैं उसकी गांवों तक में हंसी हो रही है। सबसे ज्यादा मजा लोग भैंस खोल कर ले जाएंगे, का ले रहे हैं। कांग्रेस भैंस ले जाएगी! लोग हंस रहे हैं। कह रहे हैं कि सुना यह था कि कांग्रेस विदेशी कपड़े ले जाती थी। उसकी होली जलाती थी। अशिक्षा और गरीबी ले जाने की बात करती थी। बीमारियों को दूर करने की। पोलियो ड्राप की। गांव-गांव में प्राइमरी हेल्थ सेन्टर खुलवाए थे। मां और बच्चे का स्वास्थ्य देखा जाता था। स्कूल में मध्याह्न भोजन (मिड डे मील) शुरू किया था। मगर ये भैंस ले जाएंगे? कहकर गांव वाले हंसते हैं। हमारे गांवों में हास्यबोध बहुत है। कामन सेंस भी। पहले भी शायद बताया कि कृषि के मामले में पहले नोबल पुरस्कार विजेता नार्मन बोरलाग ने कहा था कि- भारत के किसानों में सहज ज्ञान बहुत है। वे कृषि की अपनी पारंपरिक पद्धति को बहुत सफलतापूर्वक नई पीढ़ी को हस्तांतरित करते रहते हैं और नया ज्ञान भी सीखते रहते हैं। इन्दिरा गांधी द्वारा की गई हरित क्रान्ति से बोरलाग बहुत प्रभावित थे। तो भारत का ग्रामीण सब समझता है। उसमें जबर्दस्त सामान्य समझ है। जब इन्दिराजी ने हरित क्रान्ति की शुरूआत की तब यह कहा जा रहा था कि भारत का किसान नई खेती के लिए तैयार नहीं होगा। यह वे लोग थे जो भारत को यथास्थितिवादी बनाए रखना चाहते थे। किसी भी नए परिवर्तन से बचते थे। मगर भारत के किसान ने बहुत तेजी के साथ नई खेती में दिलचस्पी ली। और भारत के गोदाम अनाज से भर दिए। बोरलाग अमेरिकी थे। उसी अमेरिका के जिसके राष्ट्रपति निक्सन से यह कहते हुए इन्दिरा गांधी ने हरित क्रान्ति शुरू की थी कि ले जाओ अपने अनाज के जहाज वापस। अनाज के बहाने दबाव मत डालो कि हम पूर्वी बंगाल के लोगों की मदद न करें। पाकिस्तान उन पर अत्याचार कर रहा है। वे शरण लेने के लिए हमारे देश में आ रहे हैं। हम चुप नहीं रह सकते। पाकिस्तान को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। और वही हुआ। इन्दिरा ने पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिए। तो सोचिए पाकिस्तान में तो इन्दिरा गांधी के खिलाफ माहौल था ही उस अमेरिका में भी था जो इन्दिरा के सामने पाकिस्तान की मदद नहीं कर पाया। उस समय वहां के कृषि वैज्ञानिक नार्मन बोरलाग भारत की तारीफ करते हैं। यह बड़ी बात है और भारत का किसान इस तारीफ के काबिल भी था, अब भी है।

असुरक्षा में जीने को अभिशप्त भारतीय

भारतीय अपने जीवन में खतरों को झेलने और उनके प्रति स्थायी रूप से असंवेदनशील बने रहने के आदी हो गये हैं। आये जिन देश के किसी न किसी में कोई न कोई बड़ी दुर्घटनाएं होती रहती हैं लेकिन न तो नागरिक इस बात की मांग करते हैं कि उन्हें सुरक्षित जीवन जीने का माहौल दिया जाये और न ही सरकार- चाहे केन्द्र की हो या राज्यों की (किसी भी पार्टी की क्यों न हो), ऐसी परिस्थितियों को लेकर कोई गम्भीरता नहीं दिखाती। लोगों के जीवन को जिस तरह से सस्ता बना दिया गया है वह आधुनिक समय की भावना के एकदम विपरीत है। बाढ़, भूकम्प, बादल फटने, जमीन धसकने जैसी प्राकृतिक आपदाओं पर इंसान का बस नहीं होता और वे आधुनिकतम देशों में भी आती हैं, पर मनुष्य निर्मित दुर्घटनाओं के लिये किसी को दोषी नहींठहराया जा सकता। सख्त कानून व नियमों के जरिये एक सुरक्षित जीवन जीने के योग्य वातावरण बनाना सरकार का ही काम होता है जिसकी जिम्मेदारी से वह बच नहीं सकती, पर भारत में रोज होते हुए हादसे देखे जा सकते हैं- वह भी बहुतायत में।

गुजरात के राजकोट में शनिवार को एक गेम जोन में भीषण आग लग गई जिससे 12 बच्चों समेत 28 लोगों की जलकर मौत हो गई। हालांकि 25 लोगों को बचा लिया गया। सप्ताहांत होने और 500 का टिकट 99 रुपये में मिलने के कारण भीड़ ज्यादा थी। बताया गया है कि वेल्डिंग की चिंगारी से यह आग लगी। यहां ज्यादातर सामग्रियां ज्वलनशील थीं, इसके चलते आग तेजी से फैल गई। असली बात यह है कि यहां आगजनी सम्बन्धी अनापत्ति प्रमाणपत्र नहीं लिया गया था।

बहुत से बच्चों और बड़ों के शव तो पहचाने भी नहीं जा रहे हैं। डीएनए के जरिये वे परिजनों को सौंपे जा रहे हैं। रविवार को पूर्वी दिल्ली यानी यमुनापार के विवेक विहार में संचालित एक 2 मंजिला बेबी डे केयर में आग लगने से ही 7 नवजातों की मौत हो गई वहीं करीब इतने ही बच्चे झुलस गये हैं। यहां 12 बच्चों को किसी तरह से बचा लिया गया।

उधर छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले के एक गांव बोरसी में चल रही बारूद फैक्ट्री में शनिवार को विस्फोट हो गया जिसमें कई लोगों की मौत हो गई। हालांकि एक की ही शिनाख्त हो सकी है और लगभग 7 शवों के फैक्ट्री के मलबे में दबे होने की आशंका है। विस्फोट इतना भयावह था कि 15 किलोमीटर दूर तक सुनाई दिया और इससे न केवल कई मजदूरों के चिथड़े उड़ गये बल्कि फैक्ट्री का एक हिस्सा भी ढह गया। गांव वाले लम्बे समय से इस बारूद फैक्ट्री को हटाने की मांग कर रहे थे परन्तु उसके मालिक का सम्बन्ध मध्यप्रदेश के एक पूर्व मुख्यमंत्री से बताया जाता है इसलिये ऐसा हो न सका।

ऐसी छोटी-बड़ी दुर्घटनाओं की लम्बी फेहरिस्त है जो कोई भी अपनी याददाश्त के बल पर बना सकता है। फिर वह चाहे गुजरात के मोरबी का पुल हो या कोलकाता का फ्लाईओवर जो निर्माण की अवस्था में ही ढह गया; या फिर कोलकाता के एक अस्पताल में लगी भीषण आग अथवा कुछ साल पहले मुंबई लोकल रेलवे के एक स्टेशन का फुटओवर ब्रिज जो अपनी आयु पूरी कर चुका था। पीक अवर में यात्रियों की भारी भीड़ का वजन न सह पाने के कारण ढह गया था। देश की व्यवस्था कुछ ऐसी है कि दशहरे पर रेलवे लाइन के किनारे रावण दहन देखते हुए लोग दूसरी ओर से आती ट्रेन से कटकर मर जाते हैं या फिर स्मोग (भारी धुंध) के कारण ग्रांड ट्रंक रोड पर टकराते वाहनों में मारे जाते हैं। भोपाल के यूनियन कार्बाइड के कारखाने में गैस रिसाव से लेकर दिल्ली के उपहार सिनेमाघर में आग लगने की घटना को भला कौन भूल सकता है?

सच तो यह है कि भारतीयों के जीवन में जितनी विविधता है, दुर्घटनाएं भी उतनी तरह की होती हैं। उनके मरने का अंदाज बहुत वैविध्यपूर्ण है। सड़कों पर वाहनों की रफ्तार बेलगाम है तो मनोरंजन के लिये लगे झूले एकदम असुरक्षित, नावों में इतने लोग भर लिये जाते हैं कि वे बीच नदियों, जलाशयों में डूब जाती हैं। बच्चों को स्कूल ले जाती बसें या रिक्शे कभी सड़क पर पलट जाते हैं तो कभी आती ट्रेनों से पहले लेवल क्रॉसिंग पार करने के चक्कर में वे कई घरों के दीयों को बुझा देते हैं। न निजी जीवन में सुरक्षा है और न ही कार्य स्थलों पर। फैक्ट्रियों में कभी बॉयलर में विस्फोट हो जाता है तो कभी पिघली धातु श्रमिकों पर छिटक जाती है। कभी वे पावर प्लांट की गर्म राख में झुलस जाते हैं तो उन पर क्रेनें टूट जाती हैं। लोग मरते हैं, घायल होते हैं, स्थायी रूप से विकलांग होते हैं पर लोग इसी व्यवस्था में जीने के लिये अभिशप्त हैं।

दुर्घटनाएं इसलिये भी नहीं रुकतीं क्योंकि उसके बाद दोषियों को बचाने की कवायदें शुरू हो जाती हैं। गैर इरादतन हत्या के आरोप में गिरफ्तार दोषी, जो या तो रसूखदार होते हैं या फिर कानून इतने कमजोर हैं कि शाम होते न होते रात का खाना वे अपने घरवालों के साथ खा रहे होते हैं। न्याय पाने के लिये कानूनी जटिलताओं में भी उन्हें ही उलझना पड़ता है जो भुक्तभोगी होते हैं। पुलिस का काम पहले तो समझौता कराने का होता है और अगर ऐसा न हो सका तो मामले इतने कमजोर बनाकर कोर्ट तक पहुंचाये जाते हैं कि आरोपी छोटा-मोटा जुमार्ना भरकर साफ बच निकलते हैं। नागरिक व सरकार दोनों ही असंवेदनशील हों तो जीवन सुरक्षित कैसे हो सकता है?

मतगणना में कोई न बरते लापरवाही: डीएम

मतगणना सकुशल कराने को डीएम ने की बैठक

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द ने पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह व सीडीओ श्रीमती अमृतपाल कौर की मौजूदगी में मतगणना तैयारी बाबत बैठक में कहा कि मतगणना चार जून को राष्ट्रीय रामायण मेला परिसर सीतापुर में सवेरे आठ बजे से शुरु होगी।

सोमवार को कलेक्ट्रेट द्वय सभागार में बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि दोनों विधानसभाओं में 14-14 टेबल लगाये जायेंगे। काउंटिंग हाल में बैरिकेडिंग करायें।

बैठक में निर्देश देते डीएम।

ईवीएम मशीनें जिस गली से काउंटिंग टेबल पर जायेंगी, वहां पर सीसीटीवी कैमरा लगवायें। जिस मजिस्ट्रेट की ड्यूटी लगाई गई है, वह अपने स्थान पर बने रहेंगे। मतगणना के दिन राष्ट्रीय रामायण मेला स्थल से रूट डायवर्ट रहेगा। काउंटिंग एजेंट की मोबाइल गेट पर जमा करायें। कोई भी मोबाइल अंदर लेकर नहीं जाएगा। जो प्रत्याशी की गाड़ियां आयेंगी, उसे सौ मीटर की दूरी पर खड़ा करायें।

उन्होंने सीडीओ से स्टाफ की ट्रेनिंग बाबत जानकारी ली। कहा कि उन्हें भी ट्रेनिंग समय से करायें। जिलाधिकारी ने कहा कि जो कर्मचारी ईवीएम मशीन स्ट्रांग रूम से लेकर टेबल पर जायेगा, टेबल वाइज पोस्टर भी लगायें। एक्सईएन विद्युत को निर्देश दिये कि विद्युत आपूर्ति बनी रहनी चाहिए। जनरेटर की व्यवस्था भी करायें। मेडिकल किट, मोबाइल टॉयलेट की व्यवस्था संबंधित अधिकारी करायें। पार्किंग बाबत यातायात प्रभारी ने बताया कि रैन बसेरा व पोद्दार इंटर कॉलेज में बनाया गया है। जिलाधिकारी ने कहा कि जिस तरह से चुनाव सकुशल संपन्न कराये हैं, उसी प्रकार मतगणना भी सकुशल संपन्न करायें। किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। जो भी नोडल ऑफिसर लगे हैं, उन्हें जो संबंधित कार्य दिये गये हैं, उसे सुनिश्चित करायें।

बैठक में एडीएम एफआर उमेशचन्द्र निगम, एडीएम न्यायिक राजेश प्रसाद, एसडीएम कर्वी सौरभ यादव, मऊ राकेश कुमार पाठक, राजापुर प्रमोद कुमार झा, एसडीएम सतीश चंद्र, मो जसीम अहमद, डीएसओ आनंद कुमार सिंह, ईओ लालजी यादव समेत संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

महिला थाना ने दम्पति में कराई सुलह

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर सामाजिक रिश्ते को बचाने के प्रयास में महिला थाना पुलिस टीम ने पारिवारिक विवाद को समाप्त कराकर सुलह करायी। सोमवार को कर्वी कोतवाली के शंकर बाजार की श्रीमती रेखा देवी पत्नी नरेन्द्र कुमार ने महिला थाना में दिये पत्र में कहा कि पति उसे परेशान करता है। थानाध्यक्ष महिला ने शिकायत को सुन-समझकर दूसरे पक्ष को थाना बुलाया। दोनों पक्षों को भविष्य में विवाद न करने व पारिवारिक कर्तव्यों का पालन करने को कहा। आपसी सुलह होने पर दम्पति ने एक-दूसरे के साथ तालमेल से रहने का भरोसा दिया। टीम में थानाध्यक्ष महिला श्रीमती सविता सरोज, दीवान नरेन्द्र कुमार व महिला सिपाही दीपिका सिंह शामिल रहीं।

विवाद सुलझाती पुलिस।

आसमान से बरसते अंगारों के बीच पाठावासी ढूंढ रहे पानी

समस्या समाधान को नही हैं कोई गम्भीर

अखंड भारत संदेश

मानिकपुर/चित्रकूट। पाठा क्षेत्र में इन दिनों सवेरे छह बजे से ही आसमान से अंगारे जैसी धूप व लू चलने लगती है। ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की भारी समस्या के चलते ग्रामीण पीने के पानी को जंगलों के चोहड़े की तलाश कर पानी ला रहे हैं। सोमवार को पाठा क्षेत्र में पानी की समस्या को लेकर लोग खासे परेशान नजर आये। बताया गया कि नमामिगंगे के तहत कई गांव में स्टैंड पोस्ट खड़े तो कर दिये हैं, उनमें पानी नहीं आ रहा। सबसे ज्यादा पानी की समस्या गोपीपुर-करौहा, रामपुर कल्याणगढ़, बराहडांडी कोलान, सरहट के सर्वदापुरवा, मऊ गुरदरी, बेलहा, खिचरी, उमरी, टिकरिया, जमुनिहाई, बड़ी पाटिन आदि में है। इन गांवों के मजरे के हैण्डपम्प ज्यादातर खराब हैं। कई गांव मे टंकियां सौर ऊर्जा से पिछले वर्षों से समरसेबुल पम्प चालू हुए थे। हल्की-फुल्की मरम्मत न होने से ये बंद पड़े हैं। ग्रामीण पेयजल की मांग कर रहे हैं। कोई सुनने वाला नहीं है। ग्रामीण जनता पेयजल को दूर-दूर तक भटक रही है। पाठा में पेयजल की किल्लत दूर करने के दावे बडे-बडे किये जाते हैं। हकीकत में पाठा के पेयजल की किल्लत दूर करने को कोई भी गम्भीर नजर नहीं आ रहा।

गर्मी में बकटा बुजुर्ग में पेयजल की है भारी किल्लत

हैण्डपम्पों का पानी है खारा

अखंड भारत संदेश

पहाड़ी/चित्रकूट। पहाड़ी ब्लाक के बकटा बुजुर्ग गांव में बढ़ती गर्मी के साथ पेयजल समस्या बढ़ती जा रही है। किसी भी जनप्रतिनिधि व अधिकारियों ने समस्या के स्थाई समाधान को ठोस उपाय नहीं किये। ग्रामीणों को पानी के लिए एक किमी दूर जाना पड़ता है।

सोमवार को ग्रामीणों ने बताया कि गर्मी में टैंकरों की व्यवस्था न करने से दिक्कत बढी है। रोष जताते हुए कहा कि चुनाव के समय विभिन्न दलों के नेता पानी व सड़क की तमाम योजनाओं का वायदा कर चले जाते हैं। जीतने के बाद इधर देखते तक नहीं हैं। यही वजह है कि धरातल में कोई भी योजना गांव में नहीं पहुंच पाती। ग्रामीण अब्दुल कलाम, राजा अली, नियामत अली, शुबराती अली, चंद्र कुमार ने कहा कि गांव में ज्यादातर हैंडपंप का पानी खारा है, जो पीने योग्य नहीं है। गांव में ही कुछ दूर मुस्लिम कुआ है, पूर्व प्रधान धनुइया देवी ने दो दशक पहले बनवाया था। मुस्लिम पुरवा, धोबिन पुरवा, अहिरन पुरवा, टिकरी पुरवा समेत बकटा बुजुर्ग के लोग निस्तार को इसी कुआ से पानी लाते हैं। कुआ की बाउंड्री जर्जर होने से नहाने के बाद का पानी उसी में चला जाता है। प्रदूषण को बढ़ावा देता है। कुआ के चारों ओर कीचड़ है। दूसरी व्यवस्था न होने से मजबूरन लोग पानी का उपयोग कर रहे हैं, बीमार हो रहे हैं। लोगों ने कहा कि समस्या का निदान न हुआ तो बीमारियां गंभीर रूप ले सकती है। मुस्लिम पुरवा में एक ग्रामीण के घर के पास लगे सरकारी हैंडपंप का पानी ठीक है। चारों तरफ कटीली तार लगाकर उसे कब्जे में कर लिया गया है। किसी को पानी नहीं भरने दिया जाता, इसे कब्जा मुक्त कराने की मांग की है। इस बाबत एडीओ पंचायत पहाड़ी कमल सिंह से बात करने के प्रयास किये। उन्होंने कहा कि जल्द ही समस्या का निदान किया जाएगा।

प्रधान-सचिव ने कहा कराई है व्यवस्था

पहाडी/चित्रकूट। प्रधान स्वतंत्र कुमार व सचिव आशीष कुमार ने बताया कि गांव की आबादी 35 सौ है। 55 हैंडपंप लगे हैं। जिस बस्ती में पानी की समस्या ज्यादा है, वहां स्थाई रूप से पानी की टंकी रखवा दी गई है। टैंकर से टंकियों में पानी भरवाया जाता है। सभी हैंडपंप की मरम्मत करवा दी गई है।

एक किमी दूर से पानी लाते व जर्जर कुआ से पानी भरते लोग।

एक किमी दूर कुआ से लाते हैं पानी

अखंड भारत संदेश

पहाडी/चित्रकूट। गांव के विजय सिंह ने कहा कि गांव में गर्मी में पानी की समस्या बढ़ गई है। जानवरों को पीने को पानी नहीं मिल रहा। पहले पानी की समस्या कम थी। गेडुआ नदी में चेकडैम बनने से नदी के स्रोत बंद हो गये हैं। एक बार नदी की सफाई हो जाये तो गेडुवा नदी को नया जीवन मिल सकता है। रमेश कुमार ने बताया कि वह गांव से एक किमी दूर मुस्लिम पुरवा के कुआ से पानी लाते हैं। दिन में दो बार जाना पड़ता है। एक दिन में 120 लीटर पानी लगता है। पीने को गांव के पश्चिम टोला में खारे पानी का कुआ है। कुआ जीर्ण-शीर्ण है। इसके जीर्णोद्धार की जरूरत है।

खंड विकास अधिकारी पहाड़ी दिनेश कुमार ने कहा कि सचिव आशीष कुमार को टैंकर भेजने के निर्देश दिये हैं। हैंडपंप को कब्जा मुक्त करने व कुआ को तत्काल दुरुस्त करने को कहा है।

राजापुर एसएचओ ने दो घंटे में गुमशुदा बालक किया बरामद

परिजनों को बालक सौंपती पुलिस।

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर अपहर्ताओं व गुमशुदा की बरामदगी को जारी ऑपरेशन मुस्कान में प्रभारी निरीक्षक राजापुर मनोज कुमार की टीम ने गुमशुदा बालक को दो घंटे में बरामद कर परिजनों के सुपुर्द किया। सोमवार को दोपहर साढे 12 बजे राजापुर थाने के लूपलाइन की श्रीमती शोभा देवी पत्नी श्यामलाल सोनकर ने थाने में सूचना दी कि नाती साहिल (11) सवेरे दस बजे से घर से दुकान गया था। अभी तक नहीं लौटा। खोजबीन करने पर नहीं मिला। प्रभारी निरीक्षक ने अपरान्ह ढाई बजे पाण्डेय पुरवा से बालक साहिल को सकुशल बरामद किया। परिजनों को बालक सौंपा। बालक को पाकर परिजनों के चेहरे की मुस्कान खिल गई। पुलिस की सराहना कर धन्यवाद ज्ञापित किया। टीम में प्रभारी निरीक्षक राजापुर मनोज कुमार, दरोगा अनिल कुमार, सिपाही प्रकाश मिश्रा व वीरपाल शामिल रहे।

ई-रिक्शा सीज करते यातायात प्रभारी।

नाबालिग के ई-रिक्शा चलाने पर एजेंसी मालिक पर किया 40 हजार जुर्माना

83 वाहनों पर किया 188500 का जुर्माना

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर यातायात व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त करने के प्रयास में प्रभारी यातायात शैलेन्द्र सिंह ने कर्वी शहर में वाहन जांच दौरान नाबालिग के बिना पंजीयन के ई-रिक्शा चलाने पर ई-रिक्शा मालिक पर 40 हजार का ई-चालान कर ई-रिक्शा सीज किया है। उन्होंने देर शाम जांच दौरान 83 वाहनों से 188500 रुपये का जुर्माना किया है।

सोमवार को यातायात प्रभारी शैलेन्द्र सिंह ने जांच दौरान नाबालिग को ई-रिक्शा चलाते पकडा। उन्होंने ई-रिक्शा मालिक पर 40 हजार का ई-चालान कर ई-रिक्शा को सीज कर दिया। कमला इंटरप्राइजेज ई-रिक्शा एजेंसी के डीलर के किराये पर देकर ई-रिक्शा चलवाया जा रहा था। यातायात पुलिस की इस कार्यवाही की सभी लोग सराहना कर रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने कल देर शाम जांच दौरान 83 दो पहिया/चार पहिया वाहन चालकों से 188500 रुपये जुर्माना लगाया। वाहनों से हूटर, सायरन, ब्लैक फिल्म हटवायी। मालवाहक वाहनों में सवारी लेकर चलने वाले चालकों के लाइसेंस जब्त किये। नोइंट्री का उल्लंघन करते पाये जाने पर ट्रक सीज किया। सभी वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने को कहा। सड़क पर यात्रा करते समय दोपहिया पर हेलमेट, चारपहिया पर सीट बेल्ट का प्रयोग करने की सलाह दी। ट्रैक्टर ट्राली व माल वाहनों से तीर्थयात्रियों को ले जाने पर कार्यवाही की। चेताया कि कोई अप्रिय घटना न होने पाये। इसीलिए सभी वाहन चालकों से अनुरोध किया कि यातायात नियमों का पालन करें।

लौढियामाफी सचिव से परेशान हैं प्रधान, डीएम को लिखा पत्र

अखंड भारत संदेश

मानिकपुर/चित्रकूट। मानिकपुर ब्लाक के लौढियामाफी गांव की प्रधान चम्पा देवी ने जिलाधिकारी को लिखे पत्र में कहा कि सचिव उत्कर्ष सिंह ने गांव की गौशाला डिमांड न लगाकर पासवर्ड बदल दिया है। इस सचिव को बीडीओ ने नोटिस भी जारी किया है।

सोमवार को लौढिया प्रधान चम्पा देवी ने जिलाधिकारी को लिखे पत्र में कहा कि एक जनवरी 2023 को गांव में बनी गौशाला संचालन हो रहा है। गौशाला में 231 गौवंशों का भूसा खिलाने व रखरखाव को चरवाहे की व्यवस्था है। ग्राम विकास अधिकारी उत्कर्ष सिंह ने माह फरवरी-मार्च 2024 की डिमांड डिलीट कर पासवर्ड बदल दिया है। इस हरकत पर बीडीओ मानिकपुर ने सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी कर निर्देश दिये कि स्पष्टीकरण दो दिनों के अन्दर साक्ष्यों समेत दें। सचिव पर विधिक कार्यवाही को भी कहा है।

सचिव विकास कार्यों में सहयोग नहीं कर रहा। पूर्व में ब्लाक परिसर में सचिव ने गुण्डें बुलाकर उसके पुत्र से मारपीट की थी। संज्ञान में लेते हुये विकास अधिकारी व प्रमुख की देखरेख में मामला सुलझा था। प्रधान ने जिलाधिकारी से मांग किया कि सचिव पर विधिक कार्यवाही कर गांव की समस्या का निदान किया जाये। उस पर व पुत्र पर कोई घटना होती है तो सचिव को जिम्मेदार समझा जाये।

सचिव ने भेजी गलत आख्या.....

मानिकपुर/चित्रकूट। मानिकपुर ब्लाक के लौढिया गांव के मजरा बराछी के अमृतलाल सिंह पुत्र गुलाब ने जिलाधिकारी को लिखे पत्र में कहा कि प्रधानमंत्री आवास वर्ष 2022-23 में मिला था। कार्य प्रगति पर है। सचिव उत्कर्ष सिंह ने शासन को प्रधानमंत्री आवास बाबत कार्य पूरे होने की गलत सूचना भेजी है। सरकारी कार्य के प्रति लापरवाही दिखाई है। सही आख्या नहीं भेजी। शासन को गुमराह किया है। प्रधानमंत्री आवास बाबत भेजी गई गलत आख्या में सचिव पर कार्यवाही की जाये।

डॉक्टरों की सलाहः गर्मी में हीट स्ट्रोक से बचें, ज्यादा से ज्यादा पियें पानी

अखंड भारत संदेश

पहाड़ी/चित्रकूट। भीषण गर्मी से अस्पतालों में हीट स्ट्रोक के बढ़े मरीजों को डा उदयप्रताप सिंह ने धूप से बचाव की सलाह दी है। उन्होंने ऐसे मरीजों को जमकर पानी पीने की भी राय दी है।

सोमवार को मई के अन्तिम सप्ताह में गर्मी ने रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है। भीषण गर्मी में थोड़ी लापरवाही से लोग अस्पताल पहुंच रहे हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहाड़ी में प्रतिदिन करीब चार से पांच सैकड़ा मरीज आ रहे हैं। इस बाबत प्रभारी चिकित्साधिकारी डा उदय प्रताप सिंह ने बताया कि लोग थोड़ी सी सावधानी बरतें तो अस्पताल न आना पड़े। हीट स्ट्रोक के मरीज ज्यादा हैं। जो उल्टी-दस्त व पेट दर्द से परेशान हैं। ऐसे मरीज सवेरे-शाम घर से बाहर न निकलें। फुल कपड़े पहने, ताकि शरीर ढका रहे। पानी का ज्यादा से ज्यादा सेवन करें। तेल मसाला वाली चीजों का सेवन न करें।

गर्मी से बचाव को सलाह देते डॉक्टर।

डा दीपक यादव ने बताया कि भीषण गर्मी में लोग घरों में आराम करें। तरल पदार्थ गन्ने का जूस, पानी, नारियल पानी, नींबू पानी का सेवन करें। पेट दर्द, उल्टी, दस्त की समस्या हो तो नजदीकी अस्पताल में इलाज करायें। पानी का सेवन ज्यादा करें, ताकि डिहाइड्रेशन की समस्या न हो। डिहाइड्रेशन को रिकवर करना मुश्किल होता है। जरुरी हो तभी घर से बाहर सिर पर गमछा लपेटकर निकलें।

महिला डा मोहिनी रायकवार ने गर्भवती महिलाओं को सलाह दी कि गर्मी के मौसम में गर्भवती महिलाओं को विशेष सतर्कता बरतनी चाहिए। गर्भवती महिलाओं को ठंडी चीजों का सेवन ज्यादा करना चाहिए। हरी सब्जियां खायें, फल का सेवन अधिक करें। खाने में सलाद जरूर लें। भारी सामान न उठायें। सवेरे-शाम टहलने जाना चाहिए। ज्यादा तेल मसाला से बने खाद्य पदार्थ का सेवन न करें।

आयुष चिकित्सक डा सुधीर कुमार ने बताया कि मई से जुलाई तक हर नागरिक को चावल, जौ, मूंग, मसूर, धनिया, जीरा, अदरक, ठंडे व मीठे पदार्थ व बेल का शर्बत, सेतुवा, छाछ आदि का सेवन करना चाहिए। खरबूजा, तरबूज, खीरा, ककड़ी, लीची, गन्ना, नींबू, संतरा, अनार, जलजीरा, कच्चे आम का प्रयोग अधिक करें। सूती कपड़े पहनें। ठंडी जगह पर रहे। धूप में न निकलें। बार- बार पानी का सेवन करें। दिन में आराम करें। सुगंधित द्रव्य का प्रयोग करें। धूप में निकलने से पहले पानी का सेवन ज्यादा से ज्यादा करें। गर्मी के मौसम में तीखे नमकीन, तले पदार्थ, तेल मसाला, मैदा, बेसन से बने भारी खाद्य पदार्थ अहितकर हैं। धूप में परिश्रम, व्यायाम, प्यास रोकना, रेशमी कपड़े पहनना, कृत्रिम सौंदर्य प्रसाधन, प्रदूषित जल का सेवन अहितकर है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहाड़ी में तैनात सभी डाक्टरो ने लोगों से भीषण गर्मी में पानी का सेवन ज्यादा करने व धूप में बाहर निकलने से मना किया है।

स्वच्छता की पोल खोल रहे नालियों के बजबजाते कचरे, फैल सकती संक्रामक बीमारियां

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। कर्वी नगर पालिका के शहर से सटे काशीराम कालोनी के गरीब आवासों में जगह-जगह कचरे के ढेर व नालियों में बजबजाते कचरे स्वच्छता अभियान की पोल खोल रहे हैं। पूरे देश में चल रहे स्वच्छता अभियान के बाद नगर की स्वच्छता व्यवस्था फिर से पुराने ढर्रे पर लौट आई है। नगर पालिका की लापरवाही से काशीराम शहरी गरीब आवास में चारो ओर लगे कचरे के ढेरों से शहर को स्वच्छ रखने की मुहिम पर सवाल खड़े हो रहे हैं।सोमवार को देश में चल रहे स्वच्छता अभियान में रैकिंग पाने को पूरा प्रशासनिक अमला इस कार्य में जुटा था। नगर पालिका ने भी स्वच्छता पर ध्यान केन्द्रित किया था। अभियान के समाप्त होते ही एक बार फिर से स्वच्छता व्यवस्था बेपटरी होती दिखाई दे रही है। नगर में अन्य स्थानों की बात दूर, सबसे गरीब आवास एरिया में ही कचरे के ढेर पूरे नगर की तस्वीर बयां कर रहे हैं। इस क्षेत्र में पूर्व में रही बसपा सरकार में काशीराम शहरी गरीब आवास बनवाये थे। यहां पर सफाई व्यवस्था चरमराई है। क्षेत्र में जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हैं। नालियां कचरे से अटी पड़ी हैं। उनमें से पानी नहीं निकल रहा। नालियों को देखकर अंदाजा लगा सकते हैं कि कई महीनों से सफाई नही हुई। क्षेत्र में कई नालियां बहुत दिनों से साफ नहीं हुई। यही हाल शहर के दूसरे क्षेत्रों के है। अब तो शहर की कई गलियों में कचरा वाहनों का आना भी बंद हो गया है। देश में स्वच्छता अभियान चलाने व उसके लिए नगरीय निकायों को पुरस्कृत करने के पीछे सरकार की मंशा थी कि स्वच्छता को लेकर लोग जागरूक हो। नगरीय निकाय भी स्वच्छता के प्रति जागरूक हो। इस कार्य को प्राथमिकता से करें। अभियान समाप्त होने के साथ सारी व्यवस्थायें फेल हो गई है। साफ जाहिर है कि सरकार का जागरूकता अभियान महज दिखावा साबित हो रहा है। पूरे कालोनी परिसर में गंदगी का माहौल है। मच्छर पनपने से संक्रामक रोग फैलने के आसार हैं। कालोनी के लोगों ने कई बार नगर पालिका में शिकायत की है। नगर पालिका ने कोई कार्यवाही नहीं की। लिहाजा लोग गंदगी भरे माहौल में जीने को मजबूर है।

काशीराम कालोनी में गन्दगी का अम्बार।

सीएनजी-ईवी चार्जिंग स्टेशन का हुआ शुभारम्भ

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। शिवरामपुर में भारत पेट्रोलियम एवं इंद्रप्रस्थ गैस लि के संयुक्त तत्वावधान में सीएनजी व ईवी चार्जिंग स्टेशन के शुभारम्भ पर भारत पेट्रोलियम के प्रादेशिक प्रबंधक रितेश कोटिया, सेल्स ऑफिसर कमलनाथ, इंजीनियरिंग ऑफिसर विशाल पेंडम के साथ इंद्रप्रस्थ गैस लि प्रबंध प्रादेशिक निदेशक कमल किशोर, प्रबंध वाणिज्य मोहित भाटिया ने डीलर श्रीमती ज्योति अग्रवाल व संरक्षक महेश अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत किया।

सोमवार को संचालन करते हुए रामसागर चतुर्वेदी ने कहा कि चित्रकूट पिछड़ा जिला है। सीएनजी की सुविधा यहां मिलना शुरू हो गई है। वाहन स्वामियों को लाभ मिलेगा व पर्यावरण की सुरक्षा होगी। मुख्य अतिथि रितेश कोटिया ने कहा कि सीएनजी के प्रयोग से धन की बचत व पर्यावरण संरक्षण को बढावा मिलेगा। जिले में इंद्रप्रस्थ गैस लि के प्रबंधक निर्देशक कमल किशोर ने कहा कि अन्य जिलों में चल रहे सीएनजी की सफलता को देखते हुए चित्रकूट में ये पहला गैस स्टेशन है। जो सफल रहेगा। यहां की जनता को लाभ मिलेगा। इस मौके पर करण जैन, शीलू अग्रवाल, अर्पित अग्रवाल, महेश अग्रवाल, मयंक अग्रवाल, विनीत अग्रवाल मौजूद रहे।

शुभारम्भ करते अतिथि।

प्रधानमंत्री प्रचंड की दौड़धूप बेकार, विपक्षी दल को नहीं मना पाए

काठमांडू। नेपाल में चल रहे राजनीतिक गतिरोध को खत्म करने के लिए प्रयासरत प्रधानमंत्री पुष्पकमल दाहाल ह्यप्रचंडह्ण को आज भी निराशा हाथ लगी। विपक्षी दल और सत्ताधारी दलों के बीच सहमति नहीं हो पाने के कारण संसद में बिना किसी गतिरोध के बजट पेश करने का प्रयास विफल होता नजर आ रहा है।

प्रधानमंत्री प्रचंड ने आज सत्ताधारी दल और विपक्षी दलों के साथ अलग-अलग और एक साथ बैठक कर सहमति जुटाने का प्रयास किया, लेकिन सहकारी घोटाले पर बनने वाली संसदीय जांच समिति के कायार्देश को लेकर कोई सहमति नहीं बन पाई है। विपक्षी दलों का कहना है यदि कायार्देश में गृहमंत्री रवि लामिछाने का नाम नहीं लिखा जाता है तो कम से कम उस मीडिया हाउस का नाम लिखा जाना चाहिए, जिसमें सहकारी से पैसे लेकर निवेश किया गया है।

प्रधानमंत्री के मीडिया सलाहकार बताते हैं कि विपक्षी दलों की इस मांग पर खुद प्रधानमंत्री सकारात्मक हैं, लेकिन राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी और नेकपा एमाले विरोध में हैं। स्वतंत्र पार्टी से संसदीय जांच समिति के कायार्देश बनाने वाली समिति में रहे शिशिर खनाल ने कहा कि रवि लामिछाने का नाम लिखना या उनके द्वारा संचालित गोरखा मीडिया का नाम लिखना दोनों एक ही बात है। अगर ऐसा होता है तो इस पर सहमति होने का सवाल ही नहीं उठता है। उधर सत्ताधारी एमाले पार्टी के अध्यक्ष तथा पूर्व प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली ने कहा कि विपक्षी दलों की नाजायज माग पर सुनवाई की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने नेपाली कांग्रेस पर राजनीतिक चरित्र नहीं दिखाने और लोकतांत्रिक अभ्यास के विपरीत व्यवहार करने का आरोप लगाया है। प्रधानमंत्री के करीबी लोगों का कहना है कि विपक्षी दल और सत्तापक्ष के जाल में प्रधानमंत्री इस कदर उलझ गए हैं कि वो चाह कर भी सहमति नहीं करवा पा रहे हैं। इनका विश्लेषण है कि विपक्षी की मांग पर ओके बोल चुके प्रधानमंत्री ने अपनी सरकार गिरने के डर से सत्तापक्ष की नाजायज बातों को मानना पड़ रहा है।

अमेरिका के मेक्सिको सिटी में पानी के लिए हाहाकार

मेक्सिको सिटी। अमेरिका के मेक्सिको सिटी के कई इलाके इस समय पानी के गंभीर संकट से जूझ रहे हैं। मेक्सिको सिटी में पानी की कमी लंबे समय से प्रमुख मुद्दा रहा है। इसका खामियाजा शहर के केंद्र के बाहरी इलाके में रहने वाले कम आय के अधिकतर लोगों का भुगतना पड़ रहा है। हाल यह है कि शहर के कुछ आभिजत्य इलाकों में भी जल संकट पैदा हो गया है। गर्म तापमान, कम वर्षा और खराब बुनियादी ढांचे ने विशाल महानगर में जल संकट पैदा कर दिया है। मेक्सिको सिटी के सेंटर फॉर इकोनॉमिक रिसर्च एंड टीचिंग की अंतरराष्ट्रीय प्रोफेसर क्रिस्टीना बोयस का कहना है कि बरसात से संकट को कम करने में जरूर मदद करेगी, लेकिन यह उस शहर में सुरक्षा की झूठी भावना पैदा कर सकती है, जिसे कम पानी का उपयोग करने और बारिश का उपयोग करने के लिए बेहतर बुनियादी ढांचे का निर्माण करने की आवश्यकता है। मेक्सिको सिटी को लगभग एक चौथाई पानी की आपूर्ति जलाशयों, जल उपचार संयंत्रों और लंबी नहरों की बड़ी श्रृंखला से होती है। यह श्रृंखला सूख रही है। कुछ लोगों का कहना है कि यह श्रृंखला 26 जून तक पानी उपलब्ध कराने में असमर्थ हो सकती है। मेक्सिको की बेसिन एजेंसी के अनुसार 21 मई को इस जल श्रृंखला की क्षमता 28 प्रतिशत रही। यह सबसे निचला स्तर रहा। रकेल कैपोस इलाका तो जनवरी से इस समस्या से दोचार हो रहा है।

नेपाल में भी दिखा रेमल चक्रवात का असर

काठमांडू। रेमल चक्रवात का असर नेपाल के पूर्वी हिस्से में भी दिखा है। नेपाल के कोशी प्रदेश में मोरंग, सुनसरी और झापा में बारिश हो रही है। मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक रेमल चक्रवात का असर सोमवार सुबह तक पश्चिम बंगाल से जुड़े जिलों में तेज आंधी के साथ लगातार बारिश हो रही है। मौसम विज्ञान विभाग के प्रमुख गोविन्द झा ने कहा है कि धीरे-धीरे रेमल चक्रवात का असर देश के बाकी हिस्सों में भी दिखेगा। कोशी प्रदेश के साथ ही बागमती और मधेश प्रदेश में भी दोपहर बाद भारी बारिश होने की संभावना है। उन्होंने कहा है कि मंगलवार तक रेमल चक्रवात का प्रभाव रहेगा। विभाग ने विशेष बुलेटिन में बागमती और कोशी सहित अन्य नदियों के तट पर रहने वालों को सतर्क रहने को कहा गया है।

अफगानिस्तान चीनी कामगारों पर हमले में शामिल टीटीपी आतंकियों को सौंपे : पाकिस्तान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने रविवार को अफगानिस्तान की तालिबान सरकार से चीनी कामगारों पर घातक हमले में शामिल प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकियों को सौंपने को कहा है। अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में मार्च में विस्फोटकों से भरे वाहन को एक बस को टक्कर मारने की घटना में चीन के पांच नागरिकों समेत छह लोगों की मौत हो गई थी। चीनी नागरिक दासू जलविद्युत परियोजना पर काम कर रहे थे। यह परियोजना इस्लामाबाद से लगभग 300 किमी उत्तर में है। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने राष्ट्रीय आतंकवाद निरोधक प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, ह्यचाहे अफगानिस्तान आतंकवादियों पर मुकदमा चलाए या नहीं उसे आतंकवादियों को पाकिस्तान को सौंप देना चाहिए। जांच रिपोर्ट के मद्देनजर मंत्री ने कहा कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने अफगानिस्तान से चीनी नागरिकों पर आतंकी हमले कराए। पाकिस्तान कैबिनेट की आर्थिक समन्वय समिति (ईसीसी) ने गुरुवार को हमले में मारे गए चीनी कामगारों के परिवारों को 25 लाख 80 हजार अमेरिकी डॉलर देने का फैसला किया।

ब्राजील में बाढ़ से अब तक 169 लोगों की गई जान

साओ पाउलो : दक्षिणी ब्राजील के रियो ग्रांडे डो सुल राज्य में 29 अप्रैल को आए तूफान और उसके बाद हुई बारिश व बाढ़ की चपेट में आकर 169 लोगों की मौत हो गई. यह जानकारी नागरिक सुरक्षा एजेंसी ने दी. एजेंसी ने रविवार को अपनी नवीनतम रिपोर्ट में कहा कि 24 घंटों में तीन और शव बरामद किए गए. राज्य में अब तक की सबसे भयानक प्राकृतिक आपदा के कारण 56 लोग लापता हैं.

समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक इस आपदा के कारण 23 लाख से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं. रियो ग्रांडे डो सुल के गवर्नर एडुआर्डो लेइट ने कहा है कि इस आपदा के कारण नष्ट हुए बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण में कम से कम एक साल लगेगा.

उधर, देश के मौसम विभाग ने पोर्टो एलेग्रे और राज्य के अन्य प्रमुख शहरों में आगामी सप्ताह में भारी बारिश की भविष्यवाणी की है.

रियो ग्रांडे डो सुल ब्राजील में एक महत्वपूर्ण कृषि केंद्र और चावल का उत्पादक है और यह अर्जेंटीना और उरुग्वे की सीमा पर है. बताया जाता है कि बारिश की वजह से 469 नगर पालिकाओं में क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण में कम से कम एक साल लगेगा।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI No: UPHIN/2001/09025
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।

हमास ने तेल अवीव पर मिसाइल से किया हमला, इजराइल ने की जवाबी कार्रवाई

काहिरा/येरूशलम। इजराइल और हमास के बीच पिछले कई महीनों से जारी जंग के बीच हमास ने एक बार फिर तेल अवीव पर बड़ा मिसाइल हमला किया है जिसके जवाब में इजराइल ने कार्रवाई की है।

जानकारी के मुताबिक करीब चार महीने बाद हमास ने रविवार को इजराइल पर राकेटों से हमला किया। गाजा के रफाह से किए गए हमास के हमले के चलते तेल अवीव सहित कई इजरायली शहरों में सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए सतर्क करने वाले सायरन बजे। इजराइल पर हमले में हमास ने लंबी दूरी तक मार करने वाले राकेटों का इस्तेमाल किया। इस हमले से इजराइल में किसी के हताहत होने या बड़ा नुकसान होने की फिलहाल सूचना नहीं है।

इजराइली सेना ने बताया है कि गाजा से आठ राकेकट छोड़े गए, इनमें से ज्यादातर को एयर डिफेंस सिस्टम से आकाश में ही नष्ट कर दिया गया। हमास की सशस्त्र शाखा अल-कसम ब्रिगेड ने कहा कि उसने रविवार को तेल अवीव पर एक 'बड़ा मिसाइल' हमला किया। बताया जा रहा है कि इजरायली सेना ने संभावित आने वाले रॉकेटों की चेतावनी के लिए शहर में सायरन बजाया। इजराइली आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं ने कहा कि उन्हें किसी के हताहत होने की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। गाजा में इजराइली सेना और फलस्तीनी लड़ाकों के बीच इस लड़ाई में अभी तक लगभग 36 हजार फलस्तीनी मारे जा चुके हैं। हमास ने दावा किया है कि उसके लड़ाकों ने जबालिया में इजराइली सैनिकों को पकड़कर बंदी बना लिया है लेकिन इजराइली सेना ने हमास के इस दावे का खंडन किया है। हमास ने यह नहीं बताया कि उसने कितने सैनिकों को बंदी बनाया है और अपने दावे के समर्थन में कोई साक्ष्य भी प्रस्तुत नहीं किए हैं।

हमास के प्रवक्ता अबू उबैदा ने बताया कि लड़ाकों ने एक सुरंग में घात लगाकर इजराइली सैनिकों को पकड़ा। ये सैनिक हमास लड़ाकों की तलाश में सुरंग में घुसे थे। इस बीच मिस्र ने बदले रास्ते से गाजा को राहत सामग्री से भरे ट्रक फिर से भेजने शुरू कर दिए हैं।

पाकिस्तान मल्टी-मिशन संचार उपग्रह के प्रक्षेपण के लिए तैयार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान मल्टी-मिशन संचार उपग्रह (पाकसेट-एमएम-1) के प्रक्षेपण के लिए तैयार है। इसे चीन के जिचांग सैटेलाइट लॉन्च सेंटर से 30 मई को लॉन्च किया जाएगा। पाकिस्तान के समाचार चैनल एआरवाई न्यूज ने अपनी रिपोर्ट में इस पर व्यापक चर्चा की है। अंतरिक्ष और ऊपरी वायुमंडल अनुसंधान आयोग (सुपारको) के प्रवक्ता के अनुसार मल्टी-मिशन संचार उपग्रह पाकसेट-एमएम-1 सुपारको और चीनी एयरोस्पेस उद्योग का संयुक्त प्रयास है। इसे पाकिस्तान की संचार और कनेक्टिविटी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है।

भारत-जापान WHO की 77वीं बैठक में शामिल, स्वास्थ्य सहयोग बढ़ाने पर हुए सहमत

नई दिल्ली: भारत और जापान ने सोमवार को सामूहिक रूप से डिजिटल स्वास्थ्य, स्वास्थ्य में एआई के उपयोग, बुजुर्गों की देखभाल और गैर-संचारी रोगों में सहयोग के क्षेत्रों का विस्तार करने का निर्णय लिया. जिनेवा में 77वें विश्व स्वास्थ्य सभा (हलअ) सत्र के मौके पर जापान के साथ द्विपक्षीय बैठक के बाद यह निर्णय लिया गया. बता दें कि जिनेवा सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव अपूर्व चंद्रा ने किया.

सरकारी सूत्रों ने कहा कि दोनों देश 2018 में हस्ताक्षरित सहयोग ज्ञापन (एमओसी) पर काम करने और जल्द ही एक संयुक्त कार्य समूह आयोजित करने पर सहमत हुए. सूत्रों ने कहा, 'डिजिटल स्वास्थ्य, स्वास्थ्य में एआई के उपयोग, बुजुर्गों की देखभाल और गैर संचारी रोगों में सहयोग के क्षेत्रों का विस्तार करने के अलावा, दोनों पक्षों ने जापान में अवसरों के लिए जापानी भाषा में नर्सिंग पेशेवरों के प्रशिक्षण पर चल रहे कार्यक्रम को मजबूत करने का भी निर्णय लिया'.

उल्लेखनीय है कि दोनों देशों के बीच तालमेल और संपूरकता को देखते हुए, अक्टूबर 2018 में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की जापान यात्रा के दौरान 'भारत-जापान डिजिटल पार्टनरशिप' (कखऊढ) शुरू की गई थी. इसमें सहयोग के मौजूदा क्षेत्रों के साथ-साथ नई पहलों को भी आगे बढ़ाया गया था. एस एंड टी/आईसीटी में सहयोग के दायरे में 'डिजिटल आईसीटी टेक्नोलॉजीज' पर अधिक ध्यान केंद्रित किया जा रहा है. इस बीच, डब्ल्यूएचओ ने एमपॉक्स की रोकथाम और नियंत्रण को बढ़ाने के लिए एक रणनीतिक रूपरेखा (2024-2027) जारी की है. ये जो दुनिया भर में स्वास्थ्य अधिकारियों, समुदायों और हितधारकों के लिए हर संदर्भ में एमपॉक्स के प्रकोप को नियंत्रित करने, अग्रिम एमपॉक्स अनुसंधान और जवाबी उपायों तक पहुंच और जूनोटिक ट्रांसमिशन को कम करने के लिए एक रोडमैप प्रदान करती है।

एमपॉक्स दुनिया भर के लोगों को प्रभावित कर रहा है. डब्ल्यूएचओ का नया ढांचा जो शुक्रवार को जारी किया गया था. वह एमपॉक्स के प्रकोप को रोकने और नियंत्रित करने, बीमारी के मानव-से-मानव संचरण को खत्म करने और जानवरों से मनुष्यों में वायरस के फैलाव को कम करने में अन्य हितधारकों का भी मार्गदर्शन करेगा. एमपॉक्स एक वायरल बीमारी है जो मंकीपॉक्स वायरस (टढश) के कारण होती है. इससे दर्दनाक दाने, बढ़े हुए लिम्फ नोड्स और बुखार हो सकता है. अधिकांश लोग पूरी तरह ठीक हो जाते हैं, लेकिन कुछ बहुत बीमार पड़ जाते हैं. यह वायरस यौन संपर्क सहित निकट संपर्क के माध्यम से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है। इसके पूर्व, मध्य और पश्चिम अफ्रीका में पशु जलाशय भी हैं, जहां जानवरों से मनुष्यों में फैलने की घटनाएं कभी-कभी हो सकती हैं. इससे और अधिक प्रकोप हो सकता है. वायरस के दो अलग-अलग समूह हैं, जिनमें क्लैड क और क्लैड कक शामिल हैं. क्लैड क का प्रकोप क्लैड कक के प्रकोप से अधिक घातक होता है. क्लैड कक से जुड़े एमपॉक्स का एक बड़ा उद्भव 2017 में शुरू हुआ और 2022 के बाद से यह दुनिया के सभी क्षेत्रों में फैल गया है. जुलाई 2022 और मई 2023 के बीच, इस प्रकोप को अंतर्राष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया गया था. हालांकि वह प्रकोप काफी हद तक कम हो गया है, फिर भी मामले और मौतें आज भी रिपोर्ट की जा रही हैं. इससे पता चलता है कि दुनिया भर में निम्न-स्तरीय संचरण जारी है.

बांग्लादेश के तट से टकराया चक्रवात 'रेमल', आठ लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया

ढाका। चक्रवाती तूफान ह्यरेमलह्ण ने रविवार रात बांग्लादेश तट पर दस्तक दी और अधिकारियों ने देश के निचले दक्षिण-पश्चिमी तटीय इलाकों से आठ लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। बांग्लादेश के तट पर चक्रवात ह्यरेमलह्ण के रविवार देर रात तक पहुंचने से पहले, जोखिम वाले इलाकों से 8,00,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। मौसम कार्यालय के एक प्रवक्ता ने संवाददाताओं से कहा कि चक्रवात ने रात लगभग 8:30 बजे (स्थानीय समय) बांग्लादेश के मोंगला और खेपुपारा तट के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से से होते हुए भारत के पश्चिम बंगाल तट को पार करना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि तूफान बांग्लादेश के दक्षिण-पश्चिमी तटीय इलाकों और पश्चिम बंगाल के सागर द्वीप से उत्तरी दिशा की ओर बढ़ रहा है तथा ह्यअगले पांच से सात घंटों में इसके समुद्र तट रेखाओं को पार करने की संभावना हैह्ण। चक्रवाती तूफान के रात 12:00-1:00 बजे के बीच बांग्लादेश को पार करने का अनुमान है, जिसके बाद इसके कमजोर होने की उम्मीद है।

अधिकारियों ने कहा कि माना जाता है कि तूफान से एक युवक की मौत हो गई क्योंकि समुद्री लहरें उसे बहा ले गईं और दक्षिण-पूर्वी पटुआखाली में कई लोग घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, क्षमता से दोगुने, 50 से अधिक यात्रियों से भरी एक नौका तूफान के रास्ते में मोंगला बंदरगाह के पास डूब गई। इसमें सवार लोग सुरक्षित स्थान की ओर भाग रहे थे। हालाँकि, लोगों को बचा लिया गया जिन्हें कुछ चोट आई है। चक्रवाती तूफान के बांग्लादेश तट पर आधी रात तक पहुंचने की संभावना है, जिससे समुद्र में ऊंची लहरें उठने तथा देश के तटीय जिलों सतखीरा और कॉक्स बाजार क्षेत्र में भारी बारिश होने की संभावना है।

बांग्लादेश मौसम विभाग (बीएमडी) ने दक्षिण-पश्चिम वृहद बारीसाल के लिए अत्यधिक खतरे की चेतावनी संख्या 10, जबकि चटगांव शहर सहित दक्षिण-पूर्वी तटीय क्षेत्रों के लिए अधिक खतरे की चेतावनी संख्या नौ जारी की है। मौसम विभाग के ताजा बुलेटिन के हवाले से कहा गया है कि तटीय जिलों के निचले इलाके और उनके अपतटीय द्वीप में सामान्य ज्वार से 08-12 फुट ऊंचा ज्वार आने से उनके जलमग्न होने की संभावना है। आपदा प्रबंधन और राहत मंत्री मोहम्मद मोहिबुर रहमान ने प्रेस वार्ता में बताया कि आठ लाख से अधिक लोगों को चक्रवात केंद्रों और अन्य सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। उन्होंने कहा कि हमने चक्रवाती तूफान से निपटने के लिए तत्काल आधार पर सभी आवश्यक उपाय किए हैं सभी संबंधित संगठनों को चक्रवात का सामना करने के लिए समन्वित तरीके से काम करने के लिए कहा गया है।

पत्रकार नसरुल्लाह गदानी हत्या: पुलिस ने मामले में 3 संदिग्धों को हिरासत में लिया

इस्लामाबाद: पाकिस्तान पुलिस ने पत्रकार नसरुल्ला गदानी की हत्या के आरोप में कमाल लोंड गांव से तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया है. गदानी की पिछले सप्ताह शुक्रवार की हत्या कर दी गई थी. जियो न्यूज के मुताबिक पुलिस ने नसरुल्लाह गदानी के हत्यारे को गिरफ्तार करने के लिए टारगेट कार्रवाई की थी. पत्रकार को शनिवार को घोटकी में उन्हें दफनाया गया था.

नसरुल्ला गदानी को अपनी साहसी पत्रकारिता के लिए जाना जाता था. वह एक सिंधी अखबार के लिए काम करते थे और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपनी रिपोर्ट शेयर करते थे. वह स्थानीय जमीनदारों, राजनीतिक हस्तियों और सरकारी अधिकारियों के खिलाफ अपनी निडर रिपोर्टिंग के लिए मशहूर थे.

पत्रकार पर घात लगाकर हमला

यह घटना उस समय हुई थी, जब गदानी अपने घर से मीरपुर मैथेलो प्रेस क्लब जा रहे थे.

तभी वहां कार में सवार सशस्त्र हमलावरों ने पत्रकार पर घात लगाकर हमला कर दिया और फिर वहां से फरार हो गए. जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, हमले के बाद पुलिस ने गदानी को सिविल अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया, जहां उन्हें इमरजेंसी मेडिकल ऐड मिली और फिर उन्हें सर्जरी के लिए रहीम यार खान भेजा गया.

पत्रकार समुदाय ने जताया शोक

जियो न्यूज ने बताया कि पत्रकार समुदाय ने नसरुल्लाह गदानी के असामयिक निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है. इससे पहले रविवार को पत्रकार की हत्या के खिलाफ कराची प्रेस क्लब के सामने एक संयुक्त विरोध प्रदर्शन किया गया और इसकी निंदा की गई।